

रामायण में साई पल्लवी के एक्शन सीक्वेंस पर आया दीपिका चिखलिया का रिएक्शन, बोलीं- ऐसा कोई सीन मुझे याद नहीं

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 30
न्यूनतम - 17

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 310 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 08 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 14 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया

देश के वीर जवानों के साथ ही मनाऊंगा त्योहार

दीवाली पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन में सुख–समृद्धि की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे। बता दें कि पांच दिनों तक चलने वाले इस दीपोत्सव पर्व की शुरूआत 6 नवंबर धनतेरस से हो चुकी है, जिसके बाद 7 नवंबर को छोटी दिवाली मनाई जा रही है।दीवाली पर जवानों के साथ रहने की परंपरा रहेगी कायम प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दशार्ता है।

पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं, देश के वीर जवानों के साथ दीवाली मनाने की मेरी एक पुरानी परंपरा रही है और इस साल भी मैं इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

उपराष्ट्रपति से मुलाकात और धनतेरस की शुभकामनाएं

दीवाली के इस खास अवसर पर पीएम मोदी ने देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को दीवाली की बधाई दी। इसकी जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा की।

इससे पहले, पांच दिनों तक चलने वाले इस दीवाली उत्सव की शुरूआत धनतेरस के साथ हुई थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने भगवान धनवंतरी को नमन करते हुए सभी नागरिकों के जीवन में अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की थी।

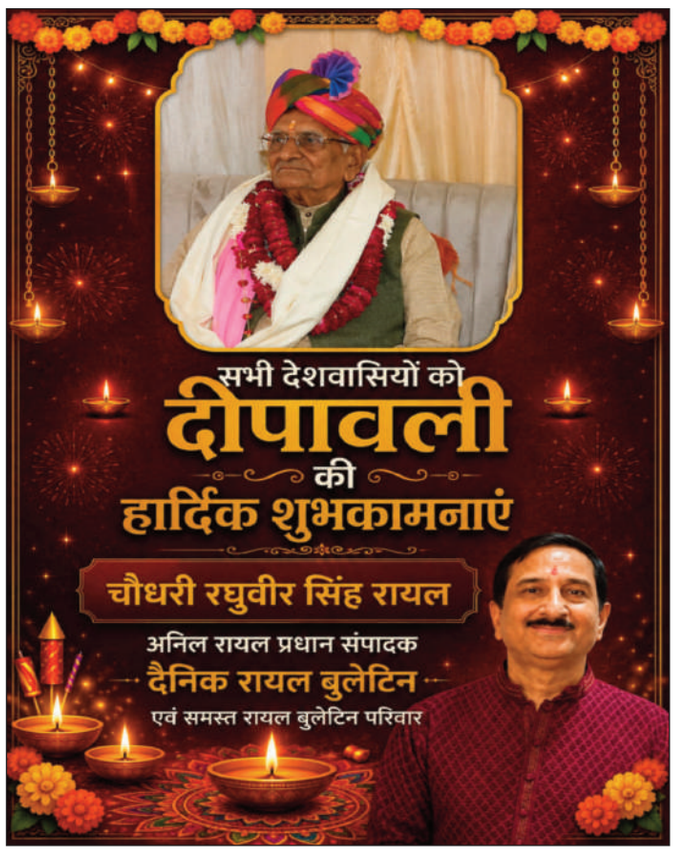
'ई 20 बन गया 420', वोट चोरी के बाद राहुल गांधी ने लगाया पेट्रोल चोरी का आरोप



नई दिल्ली। वोट चोरी के मुद्दे पर हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार जनता की गाड़ियों से पेट्रोल चोरी कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार का दावा है कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल है, लेकिन कांग्रेस शासित कर्नाटक के सात जिलों से लिए गए नमूनों की जांच में एथनॉल की मात्रा इससे कहीं अधिक पाई गई।

'ई20 बन गया 420' एक्स एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, "ई20 बन गया 420... जनता की गाड़ियों से पेट्रोल की चोरी!" यहां उनका इशारा पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 की ओर था, जो धोखाधड़ी से संबंधित थी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की अपनी चुनौती दोहराई। उन्होंने कहा कि इस चर्चा में एथनॉल ब्लेंडिंग के मुद्दे को भी शामिल किया जा सकता है। इससे पहले वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री पर बहस के लिए जोर दे रहे थे।





दीपावली का पर्व

प्रेम, सद्भाव और सेवा का संदेश देता है

: लखमेंन्द्र खुराना :

वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति एवं मुंबई इस्कॉन के अध्यक्ष ने दीपावली पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं



"दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, करूणा, सेवा और मानवता का प्रकाश फैलाने का अवसर है।"

दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पावन पर्व है, जो अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का संदेश देता है। यह त्योहार हमें अपने जीवन में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और मानवीय मुल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। दीपावली के पावन अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति एवं मुंबई इस्कॉन के अध्यक्ष लख्मेंद्र खुराना ने देशवासिंयों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समुद्धि, शांति और उतम स्वास्थ्य की कामना की।

सेवा और करूणा से सार्थक बनेगा दीपावली का उत्सव

लखमेंद्र खुराना ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग इन खुशियों में सहभागी बने। दीपावली पर हमें जरूरतमंद परिवारों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, बुजुर्गों और असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। किसी जरूरतमंद के घर में खुशियां पहुंचाना, किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाना और किसी निराश व्यक्ति को उम्मीद देना भी दीपावली मनाने का एक सार्थक तरीका है।

मुंबई इस्कॉन के अध्यक्ष लखमेंद्र खुराना ने आध्यात्मिक दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि...

भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हमें धर्म, कर्तव्य, प्रेम और निस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाती है। भारतीय संस्कृति में भक्ति का अर्थ केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने आचरण में सद्भाव, विनम्रता और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता लाना भी है।

एक उद्योगपति के रूप में लखमेंद्र खुराना ने कहा कि...

दीपावली व्यापारिक जगत के लिए भी नई उम्मीदों, नए संकल्पों और नए अवसरों का पर्व है। व्यापार और उद्योग की प्रगति तभी सार्थक है, जब उससे रोजगार के अवसर बढ़ें, युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिले और समाज के व्यापक वर्ग को लाभ पहुंचे।

लखमेंद्र खुराना ने देशवासियों से अपील की...

कि दीपावली का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखें। पटाखों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण का असर बच्चों, बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों तथा पशु-पक्षियों पर पड़ता है। इसलिए दीपों, सजावट और पारिवारिक खुशियों के माध्यम से त्योहार को अधिक सुरक्षित एवं आनंदमय बनाने का प्रयास करना चाहिए।

लखमेंद्र खुराना ने कहा कि...

दीपावली हमें पुराने मतभेद भुलाकर नए सिरे से संबंधों को मजबूत करने का संदेश देती है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि अपने परिवार, कार्यक्षेत्र और समाज में प्रेम, सम्मान तथा सहयोग की भावना को बढ़ावा देंगे। जीवन में सफलता प्राप्त करने के साथ-साथ दूसरों के लिए उपयोगी बनना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने सभी देशवासिंयों के लिए मंगलकामना करते हुए कहा कि मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा से प्रत्येक घर में सुख-समृद्धि का वास हो, युवाओं कों सफलता के नए अवसर मिलें, व्यापार एवं उद्योग उन्नति करें और समाज में शांति तथा सद्भाव बना रहे।



अनमोल वचन

आज दीपोत्सव है। अमूल्य का प्रकाश पर्व दीपोत्सव ही क्यों न। अन्धकार अज्ञान है, प्रकाश ज्ञान का आभरण है। प्रकाश सत्य है और अन्धकार असत्य। प्रकाश अमरत्व है और अन्धकार मृत्यु। अन्धकार से प्रकाश की ओर चलना भारतीय संस्कृति का पुराना मूल मंत्र है। दीपावली मानव को अपराजेय विजय भावना का पर्व है। आज पर्यावरण की रक्षा अनुभव हो रहा है कि भारतीय पर्व पूर्व के वर्षों की अपेक्षा फीके हो रहे हैं। उसकी वजह यह है कि लोग अब औपचारिक रूप से दीपावली आदि पर्वों को केवल परम्पराओं के नियम से निभाते नजर आ रहे हैं। आम आदमी इस महंगाई के दौर में यह सोचने को मजबूर है कि दीपावली का पर्व अब उस वर्ग का पर्व है जो बेहिसाब खर्च करता है। त्यौहार केवल अमीर लोगों के रह गये हैं, गरीब वर्ग को तो केवल देखते निसत्ता पड़ रहा है। गरीबों के तो हाल ही ढाई-प्रहर बन गई है। चेहरे पर हताशा के भाव हैं। दीपावली तभी सच्ची होगी जब दिये सब जलायेंगे। धनवान लोग जो धन व्यर्थ के पटाखों और आतिशबाज़ियों में नष्ट कर पर्यावरण के स्वास्थ्य में विकरालता पैदा कर रहे हैं, वे इस धन का सदुपयोग इन घरों में खुशियाँ बाँटने में व्यय करें जहाँ घरों में अभी अंधेरा है और उनके भीतर भी तभी दीपावली मनाना सार्थक होगा।

मुजफ्फरनगर के युवक की दिवाली पर घर लौटते समय चमोली हादसे में मौत: पांच साथी गंभीर घायल, तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

बद्रीनाथ से गांव काकड़ा आ रहे थे सभी साथी, चमोली में दूसरे वाहन से हुई जोरदार टक्कर

मुजफ्फरनगर/चमोली। दिवाली का त्योहार परिवार के साथ मनाने और अपनों के बीच खुशियां बांटने के लिए घर लौट रहे छह युवकों के लिए सफर जिंदगी का सबसे दर्दनाक हादसा बन गया। उत्तराखंड के चमोली जनपद में हुए भीषण सड़क हादसे में मुजफ्फरनगर के शाहपुर क्षेत्र के गांव काकड़ा निवासी 36 वर्षीय अजीत उर्फ मोनू शर्मा की मौत हो गई, जबकि उसके पांच साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक बद्रीनाथ से बोलेरो पिकअप में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में उनकी गाड़ी की एक अन्य वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों के अनुसार, गांव क-ाकड़ा निवासी अजीत उर्फ मोनू शर्मा अपने साथियों के साथ उत्तराखंड के बद्रीनाथ में कपड़े बेचने का काम करता था। दिवाली का त्योहार नजदीक होने के चलते सभी युवक अपने परिवार के बीच पहुंचने के लिए गांव लौट रहे थे। अजीत के साथ बोलेरो पिकअप में जोनी, मेनपाल, मोंटी, शिवकुमार और सोनू भी सवार थे। सभी को उम्मीद थी कि घर पहुंचकर परिवार के साथ त्योहार मनाएंगे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने उनकी खुशियों को मातम में बदल दिया।



बताया गया कि युवकों की बोलेरो पिकअप उत्तराखंड के चमोली जनपद में पहुंची तो उसकी एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गाड़ी में सवार युवक गंभीर रूप से प्रभावित हुए। हादसे में अजीत उर्फ मोनू शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पांचों साथी जोनी, मेनपाल, मोंटी, शिवकुमार और सोनू गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलने पर स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव की कार्रवाई की गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, घायलों की वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे की खबर सुनते ही प-रिवार में मचा कोहराम

अजीत की मौत की सूचना जैसे ही गांव काकड़ा पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव के लोग भी इस दुखद खबर से स्तब्ध रह गए। परिजन और ग्रामीण तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। जिस परिवार को दिवाली पर बेटे और पति के घर लौटने का इंतजार था, वहां अचानक मातम छा गया। मजदूरी कर परिवार चलाते हैं पिता, तीन बच्चों को छोड़ गया मोनू

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक अजीत के पिता रामरतन शर्मा मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अजीत भी कामकाज करके परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अजीत अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। उसकी आठ वर्षीय पुत्री वैष्णवी, छह वर्षीय पुत्री माही और चार वर्षीय पुत्र आरव हैं। तीनों बच्चे अभी इतने छोटे हैं कि उन्हें शायद इस बात का अहसास भी नहीं कि उनके पिता अब कभी लौटकर नहीं आएंगे।

मुजफ्फरनगर में दहेज हत्या की आरोपी सास को नहीं मिली जमानत: कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी, अभियोजन ने पेश किए गंभीर आरोप और साक्ष्य

बघरा गांव की विवाहिता रचना की मौत का मामला, मायके पक्ष ने पति समेत चार पर लगाया था हत्या की साजिश का आरोप

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव बघरा में विवाहिता रचना की संदिग्ध प-रिस्थितियों में हुई मौत के मामले में आरोपी सास को अदालत से राहत नहीं मिली है। अदालत ने दहेज हत्या के मामले में आरोपी ओमवती की प्रथम जमानत अर्जी खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए मृतका के साथ दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न किए जाने और हत्या के गंभीर आरोपों का हवाला दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आरोपी सास को जमानत देने से इनकार कर दिया। जुलाई 2021 में हुई थी रचना की शादी

अभियोजन पक्ष के अनुसार तितावी थाना क्षेत्र के गांव बघरा निवासी ओमवती के बेटे आकाश की शादी जुलाई 2021 में रचना के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही रचना को अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर परेशान किए जाने के आरोप सामने आए थे। मृतका के परिजनों का आरोप था कि उसका पति आकाश, सास ओमवती, ससुर हरपाल और ननद आरती अतिरिक्त दहेज की मांग करते थे। मांग पूरी नहीं होने पर रचना के साथ मारपीट और गाली-गलौज की जाती थी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया था कि विवाहिता को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। दस दिन पहले मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप

मृतका के मायके पक्ष की ओर से आरोप लगाया गया था कि घटना से करीब दस दिन पहले भी रचना के साथ मारपीट की गई थी। इस दौरान उसे जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी सामने आई थी। परिजनों के अनुसार रचना के साथ लगातार हो रहे उत्पीड़न को लेकर प-रिवार चिंतित था। हालांकि, इसके कुछ समय बाद ही उसकी मौत की सूचना मिलने से मायके पक्ष में हड़कंप मच गया। 30 सितंबर को मिली थी रचना की हत्या की सूचना

अभियोजन के अनुसार 30 सितंबर को रचना के मायके पक्ष को सूचना मिली कि उसकी हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया गया है। सूचना मिलने के बाद परिजन गांव बघरा पहुंचे। वहां घर में रचना का शव पड़ा मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की बहन ने रचना के पति आकाश, सास ओमवती, ससुर हरपाल और ननद आरती पर साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया था। इसके बाद मामला दहेज हत्या के आरोपों के चलते चर्चा में आया।

सास ने खुद को बताया निर्दोष

मामले में आरोपी सास ओमवती की ओर से अदालत में प्रथम जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। बचाव पक्ष ने अपनी दलील में ओमवती को निर्दोष बताते हुए कहा कि वह मृतका से अलग रहती थी और रचना के साथ उसका कोई विवाद नहीं था। बचाव पक्ष की ओर से जमानत दिए जाने की मांग करते हुए कहा गया कि आरोपी को मामले में राहत दी जानी चाहिए।

अभियोजन ने किया जमानत का विरोध

वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत अर्जी का विरोध किया।

अभियोजन की ओर से दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के उत्पीड़न, मारपीट और घटना से पहले दी गई धमकियों सहित मामले के गंभीर आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों का हवाला दिया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने आरोपी सास ओमवती की प्रथम जमानत अर्जी निरस्त कर दी। इस फैसले के बाद दहेज हत्या के इस मामले में आरोपी सास को फिलहाल अदालत से जमानत पर राहत नहीं मिल सकी है। मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया जारी रहेगी।

जानसठ में बैनामा कराने आई वृद्ध महिला कार की टक्कर से घायल:, तीन लाख रुपये से भरा थैला व मोबाइल गायब

तहसील गेट के सामने पानीपत-खटीमा हाईवे पार करते समय हुआ हादसा, पुलिस कार चालक और गायब सामान की तलाश में जुटी

मुजफ्फरनगर। तहसील गेट के सामने पानीपत-खटीमा हाईवे पर शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क पार कर रही 67 वर्षीय वृद्ध महिला को तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इसी बीच महिला का रुपयों और मोबाइल फोन से भरा थैला रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गया। थैले में करीब तीन लाख रुपये रखे हुए थे। काफी तलाश के बावजूद थैले का कोई पता नहीं चल सका। गंभीर हालत को देखते हुए महिला को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्लॉट का बैनामा कराने बेटे के साथ आई थी महिला

भोपा निवासी शहीदा बेगम (67) पत्नी इकबाल शुक्रवार को अपने पुत्र शहजाद के साथ जानसठ तहसील पहुंची थीं। उन्हें एक प्लॉट का बैनामा कराना था। बताया गया कि महिला के पास तीन लाख रुपये की नकदी और मोबाइल फोन एक थैले में रखा हुआ था। दोपहर करीब तीन बजे वह तहसील में रजिस्ट्री कराने के लिए जा रही थीं। इसी दौरान जब वह तहसील गेट के सामने पानीपत-खटीमा हाईवे पार करने लगीं, तभी मुजफ्फरनगर की ओर से आ रही एक अज्ञात कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वृद्ध महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। टक्कर मारकर चालक कार सहित फरार हादसे के बाद कार चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन लेकर फरार हो गया। महिला को सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा देखकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने महिला को संभाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दुर्घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय



के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला को टक्कर मारने वाली कार मुजफ्फरनगर की ओर से आ रही थी। हालांकि, कार का नंबर और चालक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी।

अस्पताल पहुंचाने के दौरान गायब हुआ तीन लाख रुपये का थैला

हादसे के बाद मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब महिला के पास मौजूद नकदी और मोबाइल फोन से भरा थैला नहीं मिला। बताया गया कि थैले में करीब तीन लाख रुपये और एक मोबाइल फोन रखा हुआ था। परिजनों और आसपास के लोगों ने थैले की तलाश की, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। आशंका जताई गई कि हादसे के दौरान मौके पर जुटी भीड़ में किसी व्यक्ति ने थैला उठा लिया। हालांकि, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। एक ओर प-रिवार के सामने घायल महिला के उपचार की चिंता थी, वहीं दूसरी ओर बड़ी रकम और मोबाइल फोन गायब होने से परेशानी बढ़ गई। प्लॉट की रजिस्ट्री कराने के लिए लाई गई नकदी का इस तरह गायब होना परिवार के लिए बड़ा झटका है। हादसे में घायल शहीदा बेगम को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। परिजन महिला के उपचार में जुटे हैं।

सीओ ऋषिका सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में वृद्ध महिला घायल हुई हैं। उनका रुपयों से भरा थैला और मोबाइल फोन नहीं मिल पाया है। मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। पुलिस अज्ञात कार चालक की पहचान करने के साथ ही गायब नकदी और मोबाइल फोन की तलाश में जुटी है। पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि हादसे के दौरान थैला किस परिस्थिति में गायब हुआ और उसे कौन ले गया।

मुजफ्फरनगर की बेटी से सोने का सामान नहीं देने पर मारपीट: पंजाब में पति और देवर के खिलाफ दहेज का मुकदमा दर्ज, दोनों फरार



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की रहने वाली एक विवाहिता के साथ पंजाब के पठानकोट जिले के शाहपुरकंडी इलाके में दहेज की मांग को लेकर मारपीट और प्रताड़ना का मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी के महज सात महीने बाद ही ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ डंडों से मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहपुर थाना क्षेत्र के हरसौली गांव की पीडिता रमनदीप कौर का विवाह 19 अप्रैल 2026 को शाहपुरकंडी (पठानकोट) के अखवाना निवासी विशाल शर्मा के साथ हुआ था। शादी को अभी सात महीने ही हुए थे, कि करवाचौथ का त्योहार नजदीक आने पर उसका भाई और भाभी उससे मिलने तथा व्रत का सामान देने के लिए ससुराल पहुंचे थे। इसी दौरान सोने का सामान नहीं दिए जाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद ने कुछ ही देर में गंभीर रूप ले लिया और ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। कम दहेज लाने पति व देवर ने उसके साथ डंडो से मारपीट कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ डंडों से मारपीट की गई और दहेज को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। शादी के शुरूआती सात महीनों में ही इस तरह की घटना होने से मामला गंभीर हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गंभीर रूप से घायल विवाहिता ने सिविल अस्पताल में अपना इलाज और मेडिकल करवाया। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर शाहपुरकंडी थाने की पुलिस ने पति विशाल और देवर रवीश के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पति और देवर के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस

शिकायत के आधार पर पंजाब में पठानकोट के थाना शाहपुरकंडी पुलिस ने विवाहिता के पति विशाल और देवर रवीश को नामजद करते हुए भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 85, 115(2), 118(1) और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मुकदमा दर्ज होने के बाद से दोनों आरोपी पकड़ से बाहर हैं। उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सात महीने में ही टूटने लगा वैवाहिक रिश्ता

शादी के कुछ ही महीनों बाद दहेज को लेकर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप सामने आने से मामला चर्चा में है। विवाहिता के परिजनों को उम्मीद थी कि बेटी का वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा, लेकिन इस घटना ने परिवार को चिंता में डाल दिया है। फिलहाल पुलिस जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी का इंतजार है।

मुजफ्फरनगर के रतनपुरी में भीषण सड़क हादसा: कार की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्री और भांजी गंभीर, मेरठ रेफर

खतौली-बुढ़ाना मार्ग पर सहज पब्लिक स्कूल के पास हुआ हादसा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। खतौली-बुढ़ाना मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। दयालपुरी स्थित सहज पब्लिक स्कूल के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता, उनकी 14 वर्षीय बेटी और आठ वर्षीय भांजी गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को खतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव उकावली निवासी अशोक अपनी पुत्री तनीषा (14) और भांजी चिंकी (8) के साथ बाइक पर सवार होकर खतौली से अपने गांव लौट रहे थे। तीनों खतौली-बुढ़ाना मार्ग से गुजर रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक रतनपुरी क्षेत्र के दयालपुरी स्थित सहज पब्लिक स्कूल के पास पहुंची, तभी बुढ़ाना की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर से बाइक



का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार को भी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने घायलों की मदद करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को खतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अशोक, उनकी बेटी तनीषा और भांजी चिंकी को हादसे में गंभीर चोटें आई हैं। तीनों की हालत नाजुक, मेरठ में चल रहा उपचार

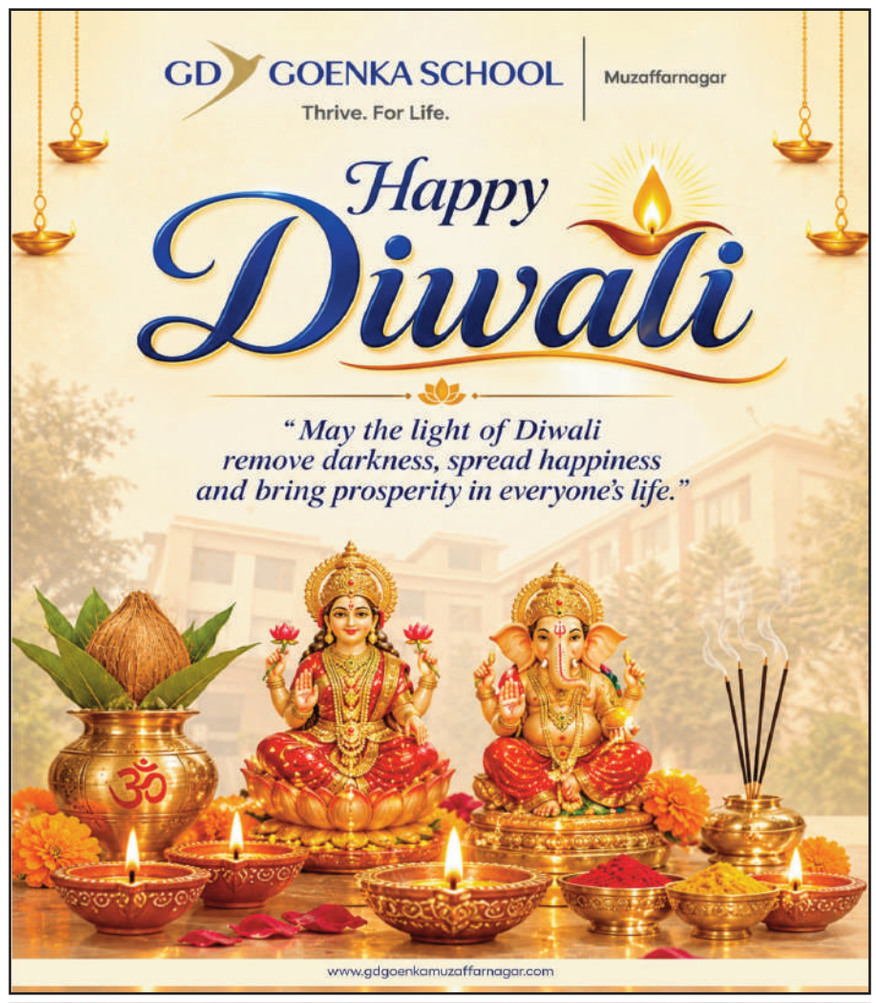
हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के घायल होने से परिजनों में चिंता का माहौल है। अचानक हुई दुर्घटना से प-रिवार के लोग परेशान हैं। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों का उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

रॉयल बुलेटिन

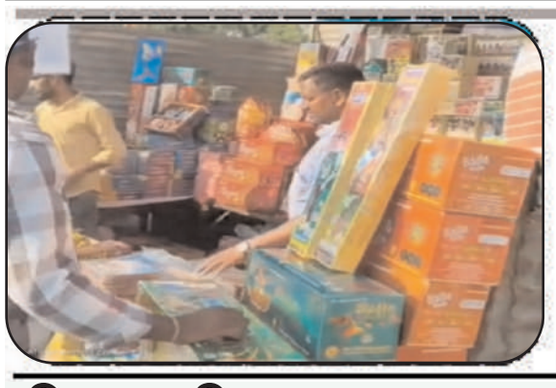
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com







रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 08 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



दीपावली पर मुनाफाखोरी के लिए अवैध पटाखों का भंडारण करने वाले दो व्यापारी गिरफ्तार, डेढ़ कुंतल पटाखे बरामद

बुढ़ाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करीब एक लाख रुपये कीमत के पटाखे पकड़े; सहारनपुर से सस्ते दामों पर खरीदकर महंगे दामों में बेचने की थी तैयारी, विस्फोटक अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना। दीपावली के त्योहार पर पटाखों की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर अधिक मुनाफा कमाने के उद्देश्य से अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने वालों के खिलाफ मुजफ्फरनगर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी अभियान के तहत बुढ़ाना पुलिस ने अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर उन्हें महंगे दामों पर बेचने की तैयारी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब डेढ़ कुंतल अवैध पटाखे बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई गई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी सहारनपुर से सस्ते दामों पर पटाखे खरीदकर दीपावली के अवसर पर अधिक कीमतों में बेचने की योजना बना रहे थे। पुराने तहसील मार्ग के मोड़ से दोनों आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत 6 नवंबर को बुढ़ाना पुलिस को अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर उनकी बिक्री करने वालों के संबंध में जानकारी मिली थी। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अत्री के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कस्बा बुढ़ाना में सांवरिया स्वीट्स से पहले पुरानी तहसील जाने वाले रास्ते के मोड़ पर दबिश दी। यहां से पुलिस ने दो आरोपियों वाशु और जतिन सिंघल को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए गए।



प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे जनपद सहारनपुर से सस्ते दामों पर पटाखे खरीदकर लाए थे। दीपावली के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने का फायदा उठाते हुए उन्हें अधिक कीमतों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की योजना थी। इसी उद्देश्य से पटाखों का भंडारण किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब डेढ़ कुंतल पटाखे बरामद किए हैं। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वाशु पुत्र सौराज निवासी खटीकों के कुएं के पास कस्बा बुढ़ाना तथा जतिन सिंघल पुत्र नवीन सिंघल निवासी मोहल्ला दक्षिणी भटवाड़ा, कस्बा बुढ़ाना के रूप में हुई है।

विस्फोटक अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 493/2026 धारा 288, 125 बीएनएस तथा धारा 5/9(बी)(1)(बी) विस्फोटक अधिनियम-1884 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी के निर्देशन में चल रहा अवैध पटाखों के खिलाफ अभियान

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निर्देश तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अत्री के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक ललित कसाना, मुख्य आरक्षी हरीश पाल, सिराज, किरण पाल राठी तथा आरक्षी गौरव कुमार शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर त्योहार के दौरान अधिक दामों पर बिक्री करने वालों में हलचल मची हुई है।

जटवाड़ा गांव तेज रफ्तार कार की टक्कर से मासूम की मौत: जिला अस्पताल में तोड़ा दम, फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिस

10 दिनों में 3 बच्चों ने गंवाई जान

मोरना। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जटवाड़ा में बस स्टैंड के पास जानसठ मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जहां तेज रफ्तार अज्ञात कार की टक्कर से 7 वर्षीय बालक आहद गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। जबकि उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार और कोहराम मच गया। पिता को खाना देने जा रहा था मासूम आहद



प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव जटवाड़ा निवासी उस्मान का सात वर्षीय पुत्र आहद दोपहर बाद करीब 3:15 बजे अपने पिता का खाना लेकर बस स्टैंड के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान मोरना की दिशा से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बालक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आहद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके की तरफ भागे। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों ने तत्परता और मानवता दिखाते हुए घायल बच्चे को संभाला। ग्रामीणों ने बिना देर किए घायल आहद को तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जानसठ पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बालक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम आहद ने दम तोड़ दिया।

परिवार में पसरा मातम

इस भीषण हादसे में मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बच्चे के माता-पिता और परिजनों में गहरा संकट और बेचैनी का माहौल बना हुआ है। मृतक आहद छह भाई-बहनों (रिहान, गुलशन, सुफियान, जोया, रीबा) में सबसे छोटा था। पिता उस्मान ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाकर मजदूरी करते हैं। आहद की असमय मौत से पिता उस्मान और मां बुशरा का रो-रोकर बुरा हाल है।

जीआईसी मैदान में सजा दीपावली का पटाखा बाजार, 25 से अधिक दुकानों पर ग्रीन पटाखों की भरमार

तीन दिन तक चलेगा आतिशबाजी का बाजार, सुरक्षा के लिए दमकल विभाग की तीन गाड़ियां तैनात

मुजफ्फरनगर। दीपावली के पर्व पर आतिशबाजी के शौकीनों के लिए शहर के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) मैदान में पटाखा बाजार सजकर तैयार हो गया है। मैदान में 25 से अधिक दुकानें लगाई गई हैं, जहां विभिन्न प्रकार के ग्रीन पटाखों की वैरायटी उपलब्ध है। तीन दिन तक चलने वाले इस बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही शुरू हो गई है। बाजार में पटाखों की अलग-अलग किस्मों और आकर्षक वैरायटी के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां तैनात की गई हैं, जबकि प्रत्येक दुकान के बाहर पानी से भरे नीले ड्रम और रेत के बैग रखे गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आग पर काबू पाया जा सके। 25 से अधिक दुकानों पर सजा आतिशबाजी का बाजार

दीपावली के अवसर पर जीआईसी मैदान में लगाए गए पटाखा बाजार में इस बार 25 से अधिक दुकानदारों ने अपनी दुकानें सजाई हैं। बाजार में अलग-अलग प्रकार के ग्रीन पटाखे और कई वैरायटी उपलब्ध हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि दीपावली नजदीक आने के साथ ही बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी और बिक्री में तेजी आएगी। पिछले वर्ष की तुलना में दुकानों की संख्या अधिक बताई जा रही है, लेकिन व्यापारियों के अनुसार कारोबार की स्थिति फिलहाल सामान्य बनी हुई है।



महंगाई और बढ़ते खर्च ने घटाया व्यापारियों का मुनाफा

पटाखा कारोबारी योगेश शर्मा ने बताया कि इस बार बाजार में दुकानों की संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक है, लेकिन बिक्री की स्थिति अभी पिछले साल जैसी नहीं है। उनका कहना है कि पटाखों की खरीद पर खर्च बढ़ गया है, जबकि बाजार में ग्राहकों की खरीदारी और व्यापारियों के मुनाफे पर दबाव बना हुआ है। महंगाई के कारण कारोबार में लागत बढ़ी है और मुनाफा कम होता जा रहा है। उन्होंने लाइसेंस की अनुमति मिलने में देरी को भी व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बताया।

मुर्गा और राजन वैरायटी के पटाखों की मांग

योगेश शर्मा के अनुसार बाजार में मुर्गा और राजन नाम की वैरायटी के पटाखों की मांग बनी हुई है। इसके अलावा कुछ नई वैरायटी भी बाजार में आई हैं, जिन्हें ग्राहक पसंद कर रहे हैं। वहीं, दूसरे पटाखा कारोबारी कृष्ण कुमार उर्फ रावण ने बताया कि फिलहाल कारोबार मध्यम स्तर पर चल रहा है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि दीपावली के नजदीक आने के साथ बिक्री में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि इस बार भी बाजार में ग्रीन पटाखे ही उपलब्ध कराए गए हैं। वैरायटी के मामले में पिछले वर्ष की तुलना में कोई बड़ा बदलाव नहीं है। दुकानदारों को उम्मीद है कि त्योहार के अंतिम दिनों में बाजार में ग्राहकों की भीड़ बढ़ेगी।

एक दुकान पर पांच से छह हजार रुपये तक बैठ रहा अतिरिक्त खर्च

पटाखा बाजार में दुकान लगाने वाले व्यापारियों को इस बार व्यवस्थाओं पर भी अच्छी-खासी रकम खर्च करनी पड़ रही है। योगेश शर्मा ने बताया कि बाजार में टीन शेड, बिजली और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर होने वाला खर्च सभी दुकानदार आपस में बांटते हैं। उनके अनुसार प्रति दुकान करीब पांच से छह हजार रुपये तक खर्च बैठ सकता है। इसके अलावा बाजार की व्यवस्था के लिए प्रति दुकान छह हजार रुपये शुल्क लिए जाने की जानकारी भी सामने आई है। व्यापारियों का कहना है कि बढ़ती लागत के चलते कारोबार में मुनाफा निकालना मुश्किल होता जा रहा है।

सुरक्षा के लिए दमकल की तीन गाड़ियां तैनात

पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दमकल विभाग भी सतर्क है। बाजार परिसर में दमकल विभाग की तीन गाड़ियां तैनात की गई हैं। इसके अलावा प्रत्येक दुकान के बाहर पानी से भरे नीले ड्रम और रेत के बैग रखे गए हैं, जिससे आग लगने जैसी आपात स्थिति में शुरूआती स्तर पर ही बचाव कार्य किया जा सके। बाजार में अग्निशमन सुरक्षा के इंतजामों के साथ दुकानों के संचालन पर भी निगरानी रखी जा रही है।

खरीदारी के साथ सुरक्षा पर भी नजर

दीपावली के लिए सजे इस पटाखा बाजार में एक ओर जहां दुकानदार अच्छी बिक्री की उम्मीद लगाए बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा इंतजामों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन और दमकल विभाग की निगरानी में बाजार संचालित हो रहा है। त्योहार के नजदीक आने के साथ बाजार में रौनक बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि व्यापारियों के सामने बढ़ती लागत, लाइसेंस प्रक्रिया में देरी और कम मुनाफे की चुनौती बनी हुई है।

दीपावली पर शहीदों के घर पहुंचे पत्नी याशिका चौहान के साथ सांसद चंदन चौहान, परिवारों के दर्द को बांटकर दी सम्मान और अपनेपन की सौगात

मुजफ्फरनगर। दीपावली का त्योहार हर घर में खुशियों और रोशनी का संदेश लेकर आता है। लोग अपने परिवार के साथ दीप जलाते हैं, खुशियां मनाते हैं और अपनों के बीच त्योहार की उमंग साझा करते हैं। लेकिन देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों के परिवारों के लिए त्योहार की खुशियों के बीच अपनों की कमी का दर्द भी गहराई से महसूस होता है। किसी मां की आंखें अपने शहीद बेटे को तलाशती हैं तो किसी पत्नी और बच्चे के मन में अपने प्रियजन की यादें ताजा हो जाती हैं। ऐसे ही परिवारों के बीच पहुंचकर बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय लोकदल सांसद चंदन चौहान ने पत्नी याशिका चौहान के साथ सम्मान, संवेदना और अपनत्व का संदेश दिया। चार शहीद जवानों के परिवारों के बीच पहुंचे सांसद दंपती



सांसद चंदन चौहान अपनी पत्नी याशिका चौहान के साथ मुजफ्फरनगर में चार शहीद जवानों के परिजनों के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और देश की रक्षा के लिए जवानों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। सांसद दंपती ने शहीदों के परिजनों के साथ समय बिताया और उनके सुख-दुख को साझा किया। उनका घर पहुंचना महज औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि उन परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जताने का भावपूर्ण प्रयास रहा, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने परिवार का सबसे अनमोल सदस्य खोया है।

त्योहारों पर और गहराता है अपनों के बिछड़ने का दर्द

देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए शहीद होने वाले जवानों को राष्ट्रीय पर्वों और स्मृति दिवसों पर याद किया जाता है, लेकिन उनके परिवारों के लिए उनकी याद किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहती। घर का हर कोना उस वीर सपूत की याद दिलाता है, जो देश की रक्षा के लिए घर से निकला था और तिरंगे में लिपटकर वापस लौटा। एक मां के लिए बेटे का बिछुड़ना ऐसा खालीपन छोड़ जाता है, जिसे समय भी पूरी तरह नहीं भर पाता। पत्नी के जीवन में जीवनसाथी की कमी हमेशा बनी रहती है और बच्चों के लिए पिता की याद जीवनभर भावनात्मक सहारा और कसक बन जाती है। ऐसे में त्योहार के अवसर पर जनप्रतिनिधियों का उनके घर पहुंचना और परिवार का हालचाल जानना उन्हें यह एहसास कराता है कि देश उनके शहीद परिजनों को भूला नहीं है।

मुजफ्फरनगर की मिट्टी ने देश को दिए हैं वीर सपूत

मुजफ्फरनगर की धरती देशभक्ति, साहस और बलिदान की अनेक मिसालों से भरी है। यहां के वीर सपूतों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है।

होटल गोल्डन इन में दीपावली पार्टी के लिए पहुंचा फर्जी शराब परोसने का लाइसेंस, आबकारी विभाग में मचा हड़कंप

लाइसेंस के आधार पर शराब परोसने की थी तैयारी, आबकारी निरीक्षक ने दर्ज कराया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। दीपावली के जश्न में शराब परोसने की अनुमति हासिल करने के नाम पर सरकारी दस्तावेज से कथित छेड़छाड़ का एक गंभीर मामला सामने आया है। शहर के होटल गोल्डन इन एंड सूट्स में आयोजित होने वाली दीपावली पार्टी के लिए ऐसा इवेंट बार लाइसेंस प्रस्तुत किया गया, जिसे आबकारी विभाग की जांच में कूटरचित पाया गया। हैरानी की बात यह है कि प्रस्तुत लाइसेंस पर बाकायदा सरकारी लाइसेंस नंबर और जारी होने की तारीख अंकित थी, लेकिन विभागीय अभिलेखों की जांच में पता चला कि उसी लाइसेंस संख्या का वास्तविक लाइसेंस किसी दूसरे होटल और दूसरे व्यक्ति के नाम से जारी किया गया था। आरोप है कि मूल लाइसेंस में नाम और आयोजन स्थल बदलकर उसे गोल्डन इन होटल के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की गई। मामला सामने आने के बाद आबकारी विभाग में हड़कंप मच गया। आबकारी निरीक्षक ने पूरे प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई और मुकदमा दर्ज कराने के लिए पुलिस को लिखित तहरीर दी है।

होटल प्रबंधन को हुआ संदेह, खुद आबकारी विभाग को दी सूचना

आबकारी निरीक्षक अनिल कुमार की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक, छह नवंबर 2026 को शाम करीब छह बजे होटल गोल्डन इन एंड सूट्स के फ्रंट ऑफिस मैनेजर ने आबकारी विभाग को फोन कर सूचना दी कि होटल में दीपावली पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मेहमानों को शराब परोसने के लिए ऋछ-11 इवेंट बार लाइसेंस प्रस्तुत किया गया है। इस लाइसेंस पर हैप्पी ओबेराय का नाम अंकित था। होटल प्रबंधन को लाइसेंस की प्रामाणिकता पर संदेह हुआ तो उसने विभागीय अधिकारियों से इसकी जांच कराने का अनुरोध किया। होटल प्रबंधन की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम सक्रिय हुई और दस्तावेज की वास्तविकता जांचने के लिए मौके पर पहुंची।

लाइसेंस नंबर असली, लेकिन नाम और होटल का पता निकला बदला हुआ मौके पर प्रस्तुत किए गए लाइसेंस पर संख्या एलआईसी/ईवेंट इअफ/ऋछ11/मुजफ्फरनगर/11/2026/021129 तथा जारी होने की तारीख छह नवंबर 2026 अंकित थी। पहली नजर में यह सरकारी अनुमति पत्र जैसा दिखाई दे रहा था, लेकिन जब आबकारी विभाग ने अपने कार्यालय के अभिलेखों से इसका मिलान किया तो पूरे मामले की परतें खुलने लगीं। जांच में सामने आया कि उक्त लाइसेंस संख्या से संबंधित वास्तविक इवेंट बार लाइसेंस आबकारी विभाग की ओर से पांच नवंबर 2026 को किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर जारी किया गया था। यह लाइसेंस होटल ग्रांड रेडियंट इन, न्यूयॉर्क रोड, मंसूरपुर के लिए जारी हुआ था। जबकि गोल्डन इन होटल में प्रस्तुत दस्तावेज में लाइसेंसी का नाम हैप्पी ओबेराय दर्ज था। इस तरह एक होटल के लिए जारी सरकारी अनुमति पत्र को कथित रूप से दूसरे होटल के कार्यक्रम में इस्तेमाल करने के लिए परिवर्तित किया गया था।

सरकारी अनुमति पत्र में हेराफेरी कर तैयार किया गया कूटरचित दस्तावेज

आबकारी विभाग की जांच में प्रस्तुत लाइसेंस कूटरचित पाया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह मामला केवल गलत लाइसेंस प्रस्तुत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी विभाग द्वारा जारी आधिकारिक दस्तावेज में कथित तौर पर अनधिकृत बदलाव किए जाने का है। वास्तविक लाइसेंस के नंबर का इस्तेमाल करते हुए उसमें नाम और आयोजन स्थल बदलने का आरोप है। ऐसे में सरकारी दस्तावेज की कूटरचना और उसे वास्तविक बताकर इस्तेमाल करने की कोशिश को गंभीर मामला माना जा रहा है।

आयोजक ने पूछताछ में चौधरी नाम के व्यक्ति से लाइसेंस मिलने की बात कही

आबकारी विभाग की टीम ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए कार्यक्रम आयोजक दिवाली ओबेराय पुत्र मनोज ओबेराय निवासी मुजफ्फरनगर से पूछताछ की। तहरीर के मुताबिक, आयोजक ने बताया कि यह लाइसेंस उसे चौधरी नाम के एक व्यक्ति ने उपलब्ध कराया था। हालांकि पूछताछ में उस व्यक्ति का पूरा नाम और पता स्पष्ट नहीं हो सका। अब जांच का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि कथित रूप से लाइसेंस उपलब्ध कराने वाला चौधरी कौन है और उसे दूसरे होटल के लिए जारी वास्तविक लाइसेंस की जानकारी कहां से मिली थी।

होटल में नहीं मिली अवैध शराब, दस्तावेज की कूटरचना बना कार्रवाई का आधार

इस पूरे प्रकरण में आबकारी विभाग ने एक महत्वपूर्ण तथ्य भी स्पष्ट किया है। होटल परिसर की जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध शराब बरामद नहीं हुई। यानी विभागीय कार्रवाई का मुख्य आधार अवैध शराब की बरामदगी नहीं, बल्कि ऋछ-11 इवेंट बार लाइसेंस में कथित कूटरचना और कूटरचित दस्तावेज को असली बताकर प्रस्तुत करना है। होटल प्रबंधन की ओर से खुद विभाग को सूचना दिए जाने के बाद दस्तावेज की जांच की गई थी।

आबकारी निरीक्षक ने पुलिस को दी तहरीर, वैधानिक धाराओं में मुकदमे की मांग

आबकारी निरीक्षक अनिल कुमार आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 सदर, मुजफ्फरनगर की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया कि प्रथम दृष्टया यह प्रकरण सरकारी विभाग द्वारा जारी आधिकारिक दस्तावेज में अनधिकृत परिवर्तन, कूटरचना और कूटरचित दस्तावेज को वास्तविक दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल करने की श्रेणी में आता है। उन्होंने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उचित वैधानिक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है। अब इस मामले में पुलिस की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि होटल ग्रांड रेडियंट इन के लिए जारी वास्तविक लाइसेंस की प्रति किसके पास पहुंची और उसमें बदलाव किसने किया? लाइसेंस पर हैप्पी ओबेराय का नाम किसने अंकित किया? चौधरी नाम के व्यक्ति की वास्तविक पहचान क्या है और क्या इस कथित कूटरचना में एक से अधिक लोग शामिल थे? इसके अलावा यह भी जांच का विषय होगा कि कूटरचित लाइसेंस केवल दीपावली पार्टी के आयोजन के लिए तैयार किया गया था या इसके पीछे कोई बड़ा खेल था।दूसरे होटल के नाम जारी सरकारी लाइसेंस को कथित रूप से बदलकर गोल्डन इन में इस्तेमाल करने का यह मामला सरकारी दस्तावेजों की सुरक्षा और आबकारी विभाग की अनुमति व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। अब पुलिस जांच से ही स्पष्ट होगा कि इस कूटरचना के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और दस्तावेज में हेराफेरी की पूरी साजिश कैसे रची गई।



संपादकीय

दिल्ली की हवा फिर जहरीली, पाबंदियों के बावजूद क्यों नहीं थम रहा प्रदूषण

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 367 से 482 के बीच दर्ज किया जा रहा है। इस स्थिति को 'बहुत खराब' से भी गंभीर श्रेणी में माना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस मौसम में प्रदूषण से उपजा संकट कोई नया नहीं है। लगातार इस समस्या से दो-चार होते रहने के मद्देनजर सरकार ने इस वर्ष भी प्रदूषण को कम करने के लिए कई स्तर पर पाबंदियां लागू की हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि प्रदूषण की मार से निपटने के लिए हर वर्ष तय ढांचे में जो भी उपाय किए जाते हैं, उसके बावजूद दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर की हवा इस कदर जोखिम भरी और जहरीली क्यों हो जाती है।प्रदूषण पर काबू पाने के मकसद से ही इस समस्या पर नजर रखने और काम करने वाले महकमे आखिर क्यों इस कदर लाचार नजर आते हैं और दूसरी ओर, आम लोगों के सामने अपनी सेहत को दुरुस्त रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। गौरतलब है कि ठंड की आहट के बाद दिल्ली में एक बार फिर प्रदूषण की मुश्किल गहरा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 367 से 482 के बीच दर्ज किया जा रहा है। इस स्थिति को 'बहुत खराब' से भी गंभीर श्रेणी में माना जाता है।सवाल है कि इस वर्ष प्रदूषण के गहराने की आशंका के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने कई स्तर पर उपाय किए हैं, वाहनों की आवाजाही और निर्माण कार्यों आदि के मोर्चे पर पाबंदियां लगाई हैं। पचास फीसद कर्मचारियों के घर से काम करने के निर्देश की खबरें भी आई हैं। इसके बावजूद अगर प्रदूषण के स्तर में कमी आने के बजाय बढ़ोतरी हो रही है, तो इसकी क्या वजहें हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली की हवा में अचानक ही प्रदूषण का स्तर ज्यादा बढ़ने के पीछे मौसम में बदलाव, हवा की धीमी रफ्तार और बढ़ती नमी बड़ी वजह है। ऐसी स्थिति में प्रदूषण के कण हवा में फैलने के बजाय जमीन के आसपास जमा हो रहे हैं। यही वजह है कि महज चार दिन पहले जहां दिल्ली में एक्यूआइ सिर्फ 117 दर्ज किया गया था, वहीं अब यह लगातार चार सौ के आसपास पहुंच गया है। यहां के सभी सत्तावन प्रदूषण निगरानी केंद्रों पर हवा की गुणवत्ता खराब या उससे भी बदतर श्रेणी में दर्ज की जा रही है। समूचे एनसीआर में तस्वीर कमोबेश यही है।दिल्ली में अब तक प्रदूषण के जिन कारकों की पहचान की जा सकी है, उसके मुताबिक वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से लेकर पराली जलाने तक को मुख्य कारण माना गया है।

बढ़ तो रही है मगर बूढ़ी हो रही है भारत की आबादी! सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश के सामने उभरी नई चिंता

(नीरज कुमार दुबे)

अदालत ने यहां तक कहा कि पहले जिस अधिक आबादी को विकास में बाधा माना जाता था, आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं और स्वस्थ जनसंख्या वृद्धि की जरूरत पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल, अदालत का यह फैसला भारत की जनसंख्या बहस में एक निर्णायक मोड़ है। देश की आबादी का विशाल होना और देश की प्रजनन दर का कम होना दो अलग-अलग तथ्य हैं। इन्हें एक ही नजरिये से देखना भविष्य की बड़ी गलती साबित हो सकता है।



सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की अगुवाई में महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले के मामले की सुनवाई करते हुए 2003 के ऐतिहासिक जावेद बनाम हरियाणा राज्य फैसले पर पुनर्विचार के लिए मामला बड़ी पीठ को भेज दिया था।

भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी एक बड़ा झटका है। जिस देश में बढ़ती आबादी को सबसे बड़ी चुनौती बताकर दो बच्चों की नीति लागू करने की मांग जोर-शोर से उठाई जा रही थी, उसी देश में अब प्रजनन दर टीएफआर इतनी नीचे पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट को दो बच्चों से अधिक संतान होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों की प्रासंगिकता पर ही सवाल उठाना पड़ा है। हम आपको बता दें कि 4 नवंबर को आए फैसले में अदालत ने साफ कहा है कि दो से अधिक बच्चे होने पर लोगों को दंडित करने वाले कानून अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। यह टिप्पणी केवल किसी एक राज्य के पंचायत चुनाव या किसी एक महिला की चुनावी पात्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के बदलते जनसांख्यिकीय भविष्य की तरफ एक बड़ा संकेत है।

हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की अगुवाई में महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव इंगले के मामले की सुनवाई करते हुए 2003 के ऐतिहासिक जावेद बनाम हरियाणा राज्य फैसले पर पुनर्विचार के लिए मामला बड़ी पीठ को भेज दिया था। उस समय अदालत ने दो बच्चों से अधिक संतान होने पर पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने वाले हरियाणा के कानून को वैध ठहराया था। लेकिन अब अदालत के सामने तस्वीर बदल चुकी है। वर्ष 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3.02 थी, जो 2024 में घटकर 1.9 रह गई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि 2.1 की प्रजनन दर को प्रतिस्थापन स्तर माना जाता है, यानी वह स्तर जिस पर एक पीढ़ी अपनी संख्या अगली पीढ़ी में बनाए रख सकती है। भारत इस सीमा से नीचे जा चुका है।

जनसंख्या का आंकड़ा बड़ा, लेकिन परिवार छोटे हो रहे हैं : देखा जाये तो इस पूरे मामले को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। भारत की कुल आबादी अभी भी बढ़ रही है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय परिवारों में बच्चों की संख्या भी बढ़ रही है। देश की आबादी में वृद्धि का एक बड़ा कारण डेमोग्राफिक मूमेन्टम है। यानी पहले के दशकों में पैदा हुई बड़ी आबादी अब युवा और प्रजनन योग्य आयु में है। इसलिए प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या घटने के बावजूद कुल जन्म और आबादी में वृद्धि जारी रह सकती है। यही वह तथ्य है जिसे जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग करने वाली बहस अक्सर नजरअंदाज कर देती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में 1971 से 2024 के बीच प्रजनन दर में आई गिरावट का भी उल्लेख है। इस अवधि में टीएफआर 5.2 से घटकर 1.9 हो गई। एनएफएचएस-5 के आंकड़ों में भी 2019-21 के दौरान यह दर 2.0 दर्ज की गई थी। अदालत ने 2024 के लिए ह्स्न्।स्-6 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लगभग 2.0 का उल्लेख किया है। यानी भारत में छोटा परिवार अब केवल सरकारी नारा नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकता बन चुका है।

हालांकि इस राष्ट्रीय औसत के पीछे क्षेत्रीय असमानताएं भी हैं। बिहार में टीएफआर 3.0, उत्तर प्रदेश में 2.4 और मेघालय में 2.9 दर्ज की गई थी, जबकि दिल्ली में 1.6, पश्चिम बंगाल में 1.6 और महाराष्ट्र में 1.7 थी। ये ह्स्न्।स्-5 के राज्यवार आंकड़े हैं। इसका मतलब है कि पूरे देश पर एक समान दो बच्चों का कानूनी प्रतिबंध थोपने का आधार और भी कमजोर पड़ता है। देश के अलग-अलग राज्यों की जनसांख्यिकीय परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं।

दो बच्चे की नीति से आगे बढ़ चुकी है भारत की तस्वीर : देखा जाये तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में एक और बेहद महत्वपूर्ण पहलू उठाया है। दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का कानून केवल जनसंख्या नियंत्रण का मामला नहीं है, बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और महिलाओं के अधिकारों से भी जुड़ा है। महाराष्ट्र की मंगला भीमराव इंगले को तीसरी संतान होने के कारण सरपंच पद के लिए अयोग्य ठहराया गया था। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की योग्यता का उसके बच्चों की संख्या से सीधा संबंध नहीं है। ऐसे प्रतिबंध महिलाओं को प्रजनन संबंधी फैसले और लोकतांत्रिक भागीदारी के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर करते हैं।

भारत के सामने अब बढ़ती आबादी नहीं, बूढ़ी होती आबादी की चुनौती : साथ ही इस फैसले का सबसे गंभीर पहलू देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने जापान और चीन के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि कम प्रजनन दर के परिणाम कितने गंभीर हो सकते हैं। चीन ने पहले एक बच्चे की नीति अपनाई, लेकिन बाद में दो और फिर तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। इसके बावजूद वहां जन्म दर में अपेक्षित उछाल नहीं आया। भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण चेतावनी है। अदालत के मुताबिक देश में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 2014 के 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.7 प्रतिशत हो गई है और 2036 तक इसके करीब 15 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है। इससे कामकाजी आबादी का अनुपात घटने, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च बढ़ने का खतरा है।

यही वह बिंदु है जहां जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग और वास्तविक जनसांख्यिकीय आंकड़ों के बीच टकराव दिखाई देता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी रही है। यही आबादी उद्योग, सेना, कृषि, सेवा क्षेत्र और उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था को गति देती है। लेकिन यदि आने वाले दशकों में युवाओं का अनुपात तेजी से घटता है तो भारत के सामने श्रमशक्ति की कमी और बुजुर्गों की बढ़ती निर्भरता जैसी चुनौतियां खड़ी होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जनसंख्या संबंधी नीति का आधार अब बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप होना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा कि पहले जिस अधिक आबादी को विकास में बाधा माना जाता था, आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं और स्वस्थ जनसंख्या वृद्धि की जरूरत पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल, अदालत का यह फैसला भारत की जनसंख्या बहस में एक निर्णायक मोड़ है। देश की आबादी का विशाल होना और देश की प्रजनन दर का कम होना दो अलग-अलग तथ्य हैं। इन्हें एक ही नजरिये से देखना भविष्य की बड़ी गलती साबित हो सकता है।

दो बच्चों की अनिवार्यता और तीसरी संतान पर राजनीतिक अधिकार छीनने जैसी व्यवस्थाओं के औचित्य पर अब सुप्रीम कोर्ट ने ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर कानून बनाने की मांग करने वालों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब देश प्रतिस्थापन प्रजनन दर से नीचे जा चुका है, तब और अधिक प्रतिबंधों की मांग आखिर किस जनसांख्यिकीय वास्तविकता पर आधारित है? **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें

(ललित गर्ग)

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं।

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है। मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है।

कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे। दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..मोदी सरकार सराहनीय योजना तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं

समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई।

(उमेश चतुर्वेदी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। दीपावली पर्व पर घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है। भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही है। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

मोरना-जौली गंगनहर पटरी पर ट्रैक्टर-रिक्शा की भिड़ंत: हादसे में बच्ची समेत 8 घायल, 5 जिला अस्पताल रेफर



मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत जौली गांव के पास गंगनहर पटरी (अकबरपुर मार्ग) पर शुक्रवार शाम एक भीषण सड़क हादसा सामने आया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने यात्रियों से भरे ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा में सवार बच्चे, महिला और पुरुषों समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय निवासियों ने सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से भोपा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां से पांच गंभीर घायलों को मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। त्यौहार मनाकर लौट रहा था परिवार प्राप्त विवरण के अनुसार, सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव चित्तौड़ा निवासी राजा, घसीटा, जसबीरी, सुरेश बाला, राजू, वैभव, अनस, अंशिका और माही ई-रिक्शा में सवार होकर भोपा के गांव यूसुफपुर स्थित अपनी बेटी/बहन सोनू (पत्नी सनोज) के घर आए थे। सोनू के घर पर एक धार्मिक/पारिवारिक त्यौहार का कार्यक्रम था। शाम को कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद सभी रिश्तेदार ई-रिक्शा में सवार होकर वापस अपने गांव चित्तौड़ा लौट रहे थे। जैसे ही ई-रिक्शा जौली गांव के निकट अकबरपुर रोड मोड़ के पास पहुंचा, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फरार होने में कामयाब रहा। मासूम समेत 5 की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी भोपा में डॉक्टरों की टीम ने घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू किया। हालांकि, मासूम बच्ची अंशिका, राजा, सुरेश बाला, राजू और घसीटा की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें डॉक्टरों ने तुरंत मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने सीएचसी पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश के लिए नाकेबंदी की जा रही है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जौली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवक गंभीर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों के बीच जौली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक अन्य दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटी। दो मोटरसाइकिलों की जोरदार भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

जानकारी के मुताबिक, सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा आस्सा निवासी सागर और प्रमित अपनी मोटरसाइकिल से मुजफ्फरनगर मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान जौली मार्ग पर सामने से आ रही अन्य बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगने के कारण दोनों युवक सड़क पर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं।

अस्पताल में उपचार जारी

स्थानीय राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और घायलों को उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की शिष्टाचार भेंट, शिक्षकों की विभिन्न विभागीय एवं सेवा संबंधी समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

मुजफ्फरनगर। अध्यापकों का एक प्रतिनिधिमंडल रविन्द्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार से मिला।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा सर्वप्रथम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार को प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की गईं। शिष्टाचार भेंट के उपरांत शिक्षकों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विभागीय एवं सेवा संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। चर्चा के दौरान मुख्य रूप से प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन एवं लंबित एरियर के भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रकरण में आ रही समस्याओं का शीघ्र समाधान कर संबंधित शिक्षकों को उनका देय भुगतान दिलाए जाने की मांग की।

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई–

विद्यालयों की लंबित कनवर्जन कॉस्ट का समय से भुगतान सुनिश्चित कराना।

अध्यापकों की ई-सर्विस बुक में त्रुटियों का संशोधन एवं अधूरी ई-सर्विस बुक को शीघ्र पूर्ण कराना।

शिक्षकों के समायोजन से संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार एवं पारदर्शी निस्तारण।



लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराना।

शिक्षकों की वरिष्ठता सूची को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तैयार कर जारी करना।

पात्र शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान का लाभ प्रदान करने हेतु लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराना। पूर्व में जारी प्रोन्नत वेतनमान सूची में पाई गई त्रुटियों एवं आपत्तियों का निस्तारण करते हुए संशोधित एवं त्रुटिरहित सूची जारी करना। शासनादेश के अनुरूप महंगाई भत्ते सहित अन्य लंबित विभागीय एवं सेवा संबंधी प्रकरणों का निस्तारण।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री रविन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समयबद्ध एवं न्यायसंगत समाधान होना आवश्यक है। शिक्षकों को उनके सेवा संबंधी देय लाभ समय से प्राप्त होने चाहिए, ताकि वे पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठा के साथ अपने शैक्षणिक दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री संदीप कुमार जी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा विभागीय स्तर पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही एवं समस्याओं के समाधान के संबंध में सकारात्मक चर्चा की।

भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों एवं सेवा संबंधी हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। संगठन भविष्य में भी शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय अधिकारियों से संवाद एवं समन्वय स्थापित कर प्रभावी ढंग से अपनी आवाज उठाता रहेगा।

हादसे में दो युवकों की मौत के बाद डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बीआईटी के पास सड़क पर बिना लाइट और संकेतक के खड़ा था डंपर, बाइक टकराने से सचिन और निक्की की गई जान, चाचा गंभीर घायल

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र में सड़क के बीच बिना लाइट और संकेतक के खड़े डंपर में बाइक टकराने से दो युवकों की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। हादसे में बाइक सवार सचिन और निक्की की जान चली गई थी, जबकि उनके साथ मौजूद चाचा प्रमेश गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आरोप है कि डंपर चालक ने अपना भारी वाहन सड़क के बीच लापरवाही से खड़ा कर रखा था। डंपर पर न तो कोई लाइट जल रही थी और न ही पीछे से आने वाले वाहन चालकों को सतर्क करने के लिए कोई संकेतक लगाया गया था। अंधेरे में खड़ा डंपर बाइक सवारों को दिखाई नहीं दिया और उनकी मोटरसाइकिल सीधे उससे जा टकराई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया था। परिजनों ने दोनों मृतकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस को तहरीर दी, जिस पर डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। चाचा की तबीयत बिगड़ने पर दवाई दिलाने गए थे तीनों

कासमपुर खोला निवासी राहुल कुमार पुत्र रोहताश ने थाना मीरापुर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार नवंबर 2026 को उसके चाचा प्रमेश पुत्र मांगेराम की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उसका भाई सचिन और बुआ का लड़का निक्की पुत्र जबर सिंह निवासी गांव हाशमपुर, थाना रामराज, चाचा प्रमेश को दवाई दिलाने के लिए गांव देवल स्थित एक चिकित्सक के यहां लेकर गए थे। चिकित्सक से दवाई लेने के बाद तीनों मोटरसाइकिल संख्या यूपी-12-एक्स-8236 पर सवार होकर अपने घर वापस लौट रहे थे।

परिजनों के अनुसार, रात करीब 10:30 बजे निक्की मोटरसाइकिल चला रहा था। जब तीनों बीआईटी के मुख्य गेट से लगभग 50 मीटर आगे कासमपुर खोला रोड पर पहुंचे तो सड़क के बीचोंबीच एक डंपर खड़ा हुआ था। आरोप है कि डंपर चालक ने वाहन को बेहद लापरवाही से सड़क पर खड़ा कर रखा था। डंपर पर न तो कोई लाइट जल रही थी और न ही इंडिकेटर चालू था। इसके अलावा पीछे से आने वाले वाहन चालकों को सावधान करने के लिए कोई संकेतक भी नहीं लगाया गया था।

अंधेरे में दिखाई नहीं दिया डंपर, सीधे जा टकराई बाइक

राहुल कुमार का आरोप है कि सड़क के बीच बिना किसी चेतावनी संकेत के खड़े डंपर के कारण मोटरसाइकिल चालक को वाहन दिखाई नहीं दिया। इसी लापरवाही के चलते बाइक डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तहरीर में बताया गया कि दुर्घटना के दौरान बीआईटी चौकी की तरफ से गांव के ही कृष्ण पुत्र बालकराम आ रहे थे। उन्होंने हादसे को अपनी आंखों से देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचने के लिए दौड़ पड़े। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

मोरना में डॉक्टर ने की शर्मनाक हरकत: जांच के नाम पर बीमार नाबालिग से की अश्लील छेड़छाड़, परिजनों के हंगामे के बाद मुकदमा दर्ज

आरोपी चिकित्सक रिफाकत क्लीनिक बंद कर फरार, पुलिस तलाश में जुटी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा मोरना में स्वास्थ्य सेवा को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां इलाज के लिए क्लीनिक पर गई एक बीमार नाबालिग बालिका के साथ डॉक्टर द्वारा जांच के नाम पर छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई, जिसके बाद पूरे इलाके में रोष फैल गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी झोलाछाप/चिकित्सक के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।



जांच के बहाने की घिनौनी हरकत

प्राप्त विवरण के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी नाबालिग भतीजी की तबीयत खराब थी। वह मोहल्ले में ही स्थित एक चिकित्सक के क्लीनिक पर दवा लेने गई थी। आरोप है कि डॉक्टर ने चेकअप करने के बहाने मासूम बच्ची को अंदर बुलाया और उसके साथ अश्लील हरकतें व छेड़छाड़ शुरू कर दी। बच्ची ने किसी तरह खुद को छुड़ाया और रोते हुए घर पहुंची। परिजनों में भारी आक्रोश, आरोपी मौके से फरार

घर पहुंचकर पीड़ित बालिका ने परिजनों को डॉक्टर की करतूत के बारे में बताया। यह सुनते ही परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। जब परिजन आरोपी के क्लीनिक पर पहुंचे, तो भनक लगते ही आरोपी चिकित्सक रिफाकत (निवासी गांव ककराला, थाना भोपा) क्लीनिक बंद कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद परिजनों ने सीधे भोपा थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी और आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपी चिकित्सक रिफाकत निवासी ककराला के खिलाफ संबंधित धाराओं (छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट/बाल संरक्षण धाराओं) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

दीपावली को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, सीएचसी पर चार और जिला अस्पताल में 10 बेड आरक्षित

मुजफ्फरनगर। दीपावली पर्व के मद्देनजर जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील तेवतिया ने सभी ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को विशेष सतर्कता बरतने तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए हैं। दीपावली के दौरान आतिशबाजी अथवा अन्य किसी कारण से आग से झुलसने वाले लोगों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चार बेड आरक्षित किए गए हैं। वहीं जिला चिकित्सालय में भी ऐसे मरीजों के उपचार के लिए 10 बेड आरक्षित रखे गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को समय से चिकित्सा सुविधा मिल सके।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील तेवतिया ने आज जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ



भुजवीर सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था एवं मरीजों के उपचार की तैयारियों का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण कर दीपावली के मद्देनजर आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि पर्व के दौरान जानसठ अस्पतालों में चिकित्सकीय स्टाफ, आवश्यक दवाइयों, ड्रेसिंग सामग्री तथा आपातकालीन उपचार की पर्याप्त व्यवस्था बनाए रखें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी की जनसामान्य से अपील

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील तेवतिया ने जनपदवासियों से अपील की कि दीपावली का पर्व सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक मनाएं। आतिशबाजी करते समय बच्चों को अकेला न छोड़ें तथा पटाखे हमेशा खुले स्थान पर जलाएं। ज्वलनशील पदार्थों और कपड़ों से दूर रहकर पटाखे जलाएं तथा आंखों और हाथों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

पटाखे जलाते समय पानी एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था पास रखें। जलने की स्थिति में प्रभावित स्थान पर तत्काल सामान्य ठंडा बहता पानी डालें, बर्फ, घी, तेल अथवा टूथपेस्ट न लगाएं तथा गंभीर स्थिति में बिना देरी किए नजदीकी अस्पताल पहुंचें।

उन्होंने लोगों को ध्वनि एवं वायु प्रदूषण से बचने, अत्यधिक धुएं वाले पटाखों से परहेज करने तथा सांस संबंधी परेशानी से ग्रसित बुजुर्गों, बच्चों और अन्य लोगों का विशेष ध्यान रखने की भी सलाह दी। साथ ही दीपावली पर खानपान में संयम बरतने, मिलावटी मिठाइयों से बचने और स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि दीपावली के दौरान जनपद के प्रत्येक नागरिक को आवश्यकता पड़ने पर त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

दीपावली पर्व एवं जनगणना 2027 में बने भागीदार

"रोशन हो हर घर-आंगन, समृद्ध हो जनपद" शुभकामनाएं संदेश



मुजफ्फरनगर । जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनपद वासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज की हार्दिक बधाई। मां लक्ष्मी की कृपा से हमारा जनपद प्रगति और खुशहाली के नए शिखरों को छुए। इस पावन अवसर पर, मैं आप सभी सम्मानित नागरिकों से एक महत्वपूर्ण अपील करता हूं। आगामी जनगणना 2027 में निर्भीक होकर पूरी और सही जानकारी दें। जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि हमारे जनपद और देश के आगामी वर्षों के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की नीतियों का आधार है। गणना कर्मी को सही विवरण दें। जनपद के सर्वांगीण विकास में भागीदार बनें।

धर्मयात्रा महासंघ संकीर्तन मंडल ने किया सुंदरकांड पाठ का आयोजन

मुजफ्फरनगर। धर्म जागरण समन्वय के तत्वाधान में धर्मयात्रा महासंघ संकीर्तन मण्डल द्वारा नरक चतुर्दशी छोटी दीपावली लोक कल्याण विश्व कल्याण और सुख-समृद्धि के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन संघ कार्यालय मालवीय चौक लक्ष्मीनगर में हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान सुन्दर कांड का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व आध्यात्मिक धरोहर से जोड़ना है। सुंदरकांड का पाठ हनुमान जी की असीम भक्ति, शक्ति और लोक-कल्याणकारी चरित्र का साक्षात दर्पण है। मुख्य आकर्षणः संगीतमय प्रस्तुतिः धर्मयात्रा महासंघ संकीर्तन मण्डल एवं सहयोगियों द्वारा ढोलक, मंजीरे और सुमधुर धुनों के साथ सुंदरकांड की चौपाइयों का गायन किया जाएगा

पाठ की पूर्णाहुति के पश्चात प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान जी की विशेष महाआरती उतारी जाएगी एवं प्रसाद भोग अर्पित किया जाएगा।



ड्डप्रसाद वितरण कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है।

धर्म जागरण समन्वय के समस्त कार्यकर्ताओं ने शहर के गणमान्य व्यक्तियों व सभी धर्मप्रेमी भाई-बहनों और श्रद्धालुओं से सपरिवार इस पावन आयोजन में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ कमाने के लिए आभार जताया।

कार्यक्रम में जिले के गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के विभाग प्रचारक भूपेन्द्र, विभाग कार्यवाह ब्रिजेश, जिला संघ चालक तेजवीर, जिला कार्यवाह संजय लखान, नितिन, जिला प्रचारक टीकम सिंह, धर्म जागरण समन्वय से हीरालाल,जिला प्रचार प्रमुख सीताराम शर्मा, सुधीर खटीक, यशपाल,अतुल सैनी श्रीपाल, राकेश, राजीव मौजूद थे।

रंग संसार

रामायण में साई पल्लवी के एक्शन सीक्वेंस पर आया दीपिका चिखलिया का रिएक्शन, बोलीं- ऐसा कोई सीन मुझे याद नहीं



नई दिल्ली। नितेश तिवारी की 'रामायणः पार्ट वन' में साई पल्लवी द्वारा सीता के किरदार को निभाने के तरीके ने दर्शकों के बीच चर्चा छेड़ दी है, खासकर इस बात को लेकर कि उन्हें युद्ध में हिस्सा लेते हुए दिखाया गया है। जहां कुछ दर्शकों को यह सीन पसंद आए वहीं कुछ अन्य लोगों ने इन पर सवाल भी उठाए। क्योंकि यह उस रामायण से अलग है जिसे वे अब तक जानते-समझते आए हैं। अब, दीपिका चिखलिया - जिन्होंने रामानंद सागर के 1987 के टीवी सीरियल 'रामायण' में सीता का मशहूर किरदार निभाया था - ने इस विवाद पर अपनी राय रखी है। दीपिका ने दिया ये रिएक्शन लगभग चार दशक बीत जाने के बाद भी, दीपिका चिखलिया की पहचान आज भी सीता के उस किरदार से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने रामायण के जो संस्करण पढ़े हैं या जिन पर काम किया है, उनमें उन्हें ऐसा कोई सीन याद नहीं आता। हालांकि, इस अनुभवी अभिनेत्री ने फिल्म निमार्ताओं की इस सोच को पूरी तरह से खारिज नहीं किया; उन्होंने माना कि रामायण को कई अलग-अलग तरीकों से सुनाया गया है, जिनमें आपस में काफी अंतर हो सकता है। रामायण में साई पल्लवी के एक्शन सीन पर दीपिका चिखलिया का रिएक्शन 'द फ्री प्रेस जर्नल' के साथ हाल ही में हुई बातचीत के दौरान, दीपिका से फिल्म में साई पल्लवी के एक्शन सीक्वेंस को लेकर मिल रही मिली-जुली प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने इंस्टाग्राम पर वह एक्शन सीक्वेंस देखा। मुझे सच में नहीं पता। वाल्मीकि रामायण और तुलसीदास की रामायण - जो हमारी 'रामायण' का मुख्य आधार थीं - मुझे याद नहीं कि उनमें कहीं भी इस तरह के दृश्य थे। लेकिन हमारे देश में 300 से ज्यादा रामायणें हैं। हर कहानी हर रामायण दूसरी से थोड़ी अलग है। इसलिए हो सकता है कि उन्होंने किसी ऐसी रामायण से कुछ लिया हो, जिसके बारे में मुझे जानकारी नहीं है'।

राज काज

'ईरान युद्ध, टैरिफ और हेल्थकेयर', मिडटर्म चुनाव में जीत के बाद ट्रंप को घेरने की तैयारी में डेमोक्रेट्स

वाशिंगटन। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में बहुमत हासिल करने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की कई अहम नीतियों को पलटने की तैयारी कर रही है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायी एजेंडे में हेल्थकेयर में की गई कटौती, ईरान के साथ युद्ध और व्यापार टैरिफ जैसे मुद्दे सबसे ऊपर हैं। डेमोक्रेट्स कांग्रेस में अपनी बढ़ी हुई ताकत का इस्तेमाल करके ऐसे कानून लाने की योजना बना रहे हैं, जिनसे रिपब्लिकन समर्थित 'मेडिकेड' में की गई कटौती को वापस लिया जा सके। इसके साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने वाले लाखों अमेरिकियों के लिए सब्सिडी बहाल करना चाहते हैं और ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप के फैसलों को चुनौती देने की तैयारी में हैं। 'एसोसिएटेड प्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, 3 जनवरी को नई कांग्रेस के सत्र की शुरूआत होते ही डेमोक्रेटिक नेता तेजी से कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। शुरूआती दौर में, रिपब्लिकन समर्थित 'मेडिकेड' कटौती को पलटने और 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' (ACA) के तहत मिलने वाली टैक्स सब्सिडी को बहाल करने पर जोर दिए जाने की उम्मीद है। इससे लाखों अमेरिकियों को हेल्थ इंश्योरेंस का खर्च उठाने में मदद मिलती है। डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज ने साफ कर दिया है कि पार्टी अपने वादों को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द काम शुरू करना चाहती है। हकीम जेफरीज ने कहा, 'हम शुरूआत से ही तेजी दिखाएंगे।' हकीम जेफरीज ने ईरान युद्ध खत्म करने की बात पर कहा, हम इस लापरवाही भरे, बेहद खचीर्ला और उनकी मर्जी से थोपे गए युद्ध को खत्म करने को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने तर्क दिया कि इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे अमेरिकी परिवारों पर वित्तीय बोझ और बढ़ गया है डेमोक्रेटिक नेताओं ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर ट्रम्प उनके प्रस्तावों को मानने से इनकार करते हैं, तो वे व्हाइट हाउस के साथ टकराव के लिए तैयार हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा कि अगर राष्ट्रपति इस कानून को रोकते भी हैं, तब भी उनकी पार्टी अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना जारी रखेगी। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के पॉडकास्ट 'द डेली' को दिए एक इंटरव्यू में शूमर ने कहा, 'अगर वह इसे वीटो करते हैं, तो इससे उनके बीच की फूट सामने आ जाएगी।'

दैनिक राशिफल रविवार 08 नवम्बर 2026

मेष – धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

वृष – घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है।

मिथुन : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें।

कर्क – थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा।

सिंह– पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या – प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

तुला – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी।

वृश्चिक – पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है।

धनु – शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

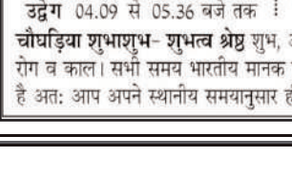
मकर – रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ।

कुंभ – आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड़े के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मीन – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

8 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	
सूर्य	तुला	में
चंद्र	तुला	में
मंगल	कर्क	में
बुध	तुला	में
गुरु	सिंह	में
शुक्र	कन्या	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.52 ब.से
धनु	09.08 बजे से
मकर	11.13 बजे से
कुंभ	13.00 बजे से
मीन	14.32 बजे से
मेष	16.03 बजे से
वृष	17.43 बजे से
मिथुन	19.41 बजे से
कर्क	21.55 बजे से
सिंह	00.11 बजे से
कन्या	02.23 बजे से
तुला	04.33 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 312 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्

दीपावली के दिन भी जनता की समस्याएं सुनने तहसीलों में पहुंचे अधिकारी, डीएम उमेश मिश्रा की पहल बनी चर्चा का विषय

त्योहार की खुशियों के बीच भी प्रशासन ने निभाई जनसेवा की जिम्मेदारी, जिले की सभी तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, सदर तहसील में एसडीएम शुभम श्रीवास्तव ने संभाली कमान, 17 शिकायतों में तीन का मौके पर निस्तारण

मुजफ्फरनगर। दीपावली के पर्व पर जहां पूरा देश दीपों की रोशनी और खुशियों में सराबोर है, वहीं मुजफ्फरनगर जिला प्रशासन ने जनसेवा की जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखते हुए त्योहार के दिन भी जनता की समस्याओं के समाधान के लिए अपने दरवाजे खुले रखे। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन में दीपावली के दिन भी जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। प्रशासन की इस पहल के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि जनता की समस्याओं का समाधान सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता है तथा त्योहार के अवसर पर भी आमजन की शिकायतों की अनदेखी नहीं की जाएगी।



डीएम के निर्देशन में सभी तहसीलों में सुनी गईं शिकायतें

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिले की सभी तहसीलों के अधिकारियों ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। दीपावली जैसे बड़े पर्व पर भी प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी ने जनसेवा के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

सदर तहसील में एसडीएम शुभम श्रीवास्तव ने संभाली जिम्मेदारी

सदर तहसील में उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव ने संपूर्ण समाधान दिवस की कमान संभाली। उनके साथ तहसीलदार राधेश्याम गौड़ भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने तहसील में पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सदर तहसील में आयोजित समाधान दिवस के दौरान राजस्व विभाग से संबंधित कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से तीन शिकायतों का एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने मौके पर ही निस्तारण करा दिया। शेष 14 शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके निस्तारण के लिए तत्काल अलग-अलग टीमें गठित करने के निर्देश दिए गए।

14 शिकायतों के निस्तारण के लिए तत्काल गठित की गईं टीमें

एसडीएम शुभम श्रीवास्तव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। राजस्व से संबंधित मामलों में मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए और शिकायतकताओं को राहत दिलाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें।

त्योहार पर भी प्रशासनिक अधिकारी रहे मुस्तैद

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों के माध्यम से उनका समाधान कराने की प्रक्रिया शुरू कराई। दीपावली के दिन भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर जिला प्रशासन ने यह संदेश दिया कि जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। त्योहार की खुशियों के बीच भी अधिकारियों की सक्रियता से फरियादियों को अपनी शिकायत रखने और समाधान की उम्मीद लेकर तहसील पहुंचने का अवसर मिला।

सऊदी अरब से फोन पर तीन बार तलाक बोलकर पत्नी से तोड़ा रिश्ता, दो बच्चों के साथ घर से निकाला

कम दहेज लाने को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न करने का आरोप, पति सहित सास-ससुर और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव बरला में दहेज उत्पीड़न और फोन पर तीन बार तलाक बोलकर वैवाहिक संबंध खत्म करने का मामला सामने आया है। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव मांडला निवासी विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर कम दहेज लाने को लेकर लगातार प्रताड़ित करने, गाली-गलौज और मारपीट करने तथा जानबूझकर परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। विवाहिता का आरोप है कि उसका पति सऊदी अरब में रहते हुए फोन पर तीन बार तलाक बोलकर उससे रिश्ता खत्म कर चुका है। इसके बाद ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट कर उसे दोनों बच्चों समेत केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति, सास, ससुर और ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

2017 में मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था निकाह

गांव मांडला थाना पुरकाजी निवासी विवाहिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका निकाह चार अक्टूबर 2017 को छपार थाना क्षेत्र के गांव बरला निवासी शाहनवाज के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। विवाह के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने को लेकर उससे नाराज रहने लगे। आरोप है कि पति शाहनवाज, सास महजबी, ससुर शमशाद और ननद शहनाज उसे लगातार ताने देते और मानसिक रूप से परेशान करते थे।

पति सऊदी अरब जाता रहा, ससुराल में होता रहा उत्पीड़न

विवाहिता के अनुसार उसका पति समय-समय पर रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब चला जाता था, जबकि वह ससुराल में ही रहती थी। आरोप है कि पति अपने माता-पिता और बहन के साथ मिलकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करता था। विरोध करने पर उसे तलाक देने की धमकी दी जाती थी। पीड़िता का कहना है कि उसने कई बार पति और ससुराल वालों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया।

सऊदी अरब से फोन कर तीन बार तलाक बोलने का आरोप

शिकायत में विवाहिता ने आरोप लगाया कि 21 अप्रैल 2026 को उसके पति शाहनवाज ने अपने माता-पिता और बहन के कहने पर सऊदी अरब से फोन किया और फोन पर तीन बार तलाक बोलकर उससे वैवाहिक संबंध खत्म करने की बात कही। इस घटना के बाद विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष के लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आए।

दो बच्चों के साथ पहने हुए कपड़ों में घर से निकाला

विवाहिता ने अपनी शिकायत में बताया कि 12 मई 2026 को ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की और उसे उसके दोनों बच्चों समेत घर से बाहर निकाल दिया।

आरोप है कि उसे केवल वही कपड़े पहनकर घर छोड़ना पड़ा, जो उस समय उसने पहने हुए थे। इसके बाद से विवाहिता अपने मायके में रह रही है। पीड़िता का कहना है कि इस घटना से उसका और उसके दोनों बच्चों का जीवन प्रभावित हुआ है।

मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पीड़िता ने 27 मई 2026 को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई थी। उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर और छपार थाना प्रभारी से भी पति तथा ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति शाहनवाज, सास महजबी, ससुर शमशाद और ननद शहनाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिसौली से युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, गांव के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

पिता की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, बेटी की तलाश और सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस से लगाई गुहार

मुजफ्फरनगर। भौराकलां थाना क्षेत्र के कस्बा सिसौली में 19 वर्षीय युवती के अचानक लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। युवती के पिता ने गांव के ही एक 24 वर्षीय युवक पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित पिता ने मामले में भौराकलां थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी और नामजद युवक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए बेटी को जल्द से जल्द तलाश कर सकुशल बरामद कराने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छह नवंबर को दोपहर से लापता है युवती

कस्बा सिसौली निवासी रियासत अली पुत्र बशीर अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 19 वर्षीय बेटी छह नवंबर को दोपहर करीब 1:33 बजे लापता हो गई। काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पिता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि गांव का ही रहने वाला 24 वर्षीय आजिद पुत्र शमशाद उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। घटना के बाद से परिवार के लोग युवती की तलाश में परेशान हैं। पिता ने युवक को नामजद कर दी शिकायत

पीड़ित पिता ने भौराकलां थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले से अवगत कराया।

उन्होंने आरोपित युवक के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग करते हुए पुलिस से अपनी बेटी को तलाश करने की गुहार लगाई। पिता का कहना है कि उनकी बेटी का जल्द पता लगाकर उसे सकुशल घर पहुंचाया जाए।

मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस को सात नवंबर को दी गई तहरीर के आधार पर नामजद युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लापता युवती की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

टेंट लगाने गया युवक, पीछे से घर में घुसे चोरों ने अलमारी खंगाली, नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी

रतनपुरी थाना क्षेत्र के कितास गांव में वारदात, मां और पत्नी खेत में गई थीं चारा लेने; पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव कितास में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय मकान मालिक टेंट लगाने के लिए गांव शाहजुड्डी गया हुआ था, जबकि उसकी मां और पत्नी खेत में पशुओं के लिए चारा लेने गई थीं। घर पर किसी के मौजूद नहीं होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित को घर लौटने पर अलमारी से नकदी और जेवर गायब मिले। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टेंट लगाने गया था मकान मालिक

गांव कितास निवासी अर्जुन कुमार पुत्र महिपाल सिंह ने रतनपुरी थाने में दी तहरीर में बताया कि तीन नवंबर को सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर से गांव शाहजुड्डी में टेंट लगाने के लिए गया था। इस दौरान उसकी मां और पत्नी खेत में पशुओं के लिए चारा लेने गई हुई थीं। घर पर परिवार के सदस्य मौजूद नहीं थे।

अलमारी से नकदी और सोने-चांदी के जेवर गायब

पीड़ित के अनुसार इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी के कुछ आभूषण चोरी कर लिए। घर लौटने के बाद जब उसने अपनी पत्नी और बेटी के साथ अलमारी की जांच की तो उसमें रखी नकदी और जेवर गायब मिले। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने आसपास के क्षेत्र में भी चोरी हुए सामान के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

पुलिस से कार्रवाई की मांग, मुकदमा दर्ज

अर्जुन कुमार ने छह नवंबर को रतनपुरी थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी और अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरी की घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पति की मौत के बाद भी आठ साल तक जिंदा होने का झांसा देकर महिला से 2.70 लाख रुपये ठगे

सांप के काटने से हुई थी पति की मौत, सपेरे के जरिए वापस जिंदा करने का दिया भरोसा

मुजफ्फरनगर। भौराकलां थाना क्षेत्र के गांव हड़ोली निवासी रीना पत्नी पप्पू के साथ अंधविश्वास और भावनात्मक मजबूरी का फायदा उठाकर लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के पति की सांप के काटने से मौत हो गई थी, लेकिन तीन लोगों ने महिला को उसके पति के जीवित होने का भरोसा दिलाकर लंबे समय तक उससे रुपये ऐंठे। आरोपियों ने कभी सपेरे के माध्यम से पति को ठीक कराने तो कभी बंगाल में गुरु के पास होने की बात कहकर महिला से लगातार पैसे लिए। इतना ही नहीं, पति के कपड़ों और अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर हर महीने 10 हजार रुपये देने की मांग भी की गई। पीड़िता की शिकायत पर न्यायालय के आदेश के बाद भौराकलां पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवरात्रि में व्रत के दौरान सांप ने काटा था पति को

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार गांव हड़ोली निवासी रीना के दो छोटे बच्चे हैं। महिला ने बताया कि नवरात्रि के दौरान उसके पति धार्मिक अनुष्ठान और व्रत कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सांप ने काट लिया। परिजन उन्हें चिकित्सकों के पास ले गए और उपचार कराया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसी बीच महिला का संपर्क तीन लोगों से हुआ, जिन्होंने दावा किया कि वे सपेरे के माध्यम से उसके पति को ठीक करा सकते हैं।

सपेरे के पास ले जाने के नाम पर लिए 30 हजार रुपये

आरोप है कि तीनों लोगों ने महिला को भरोसा दिलाया कि उसके पति को सपेरे के पास ले जाने से उनकी जान बच सकती है। महिला अपने गंभीर रूप से बीमार पति को उनके बताए स्थान पर लेकर पहुंची, जहां उसे एक सपेरे को दिखाया गया। सपेरे ने भी पति के ठीक होने का भरोसा दिलाया। इसके लिए महिला और उसके परिवार से करीब 30 हजार रुपये लिए गए। हालांकि, पति की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। बाद में आरोपियों ने महिला को बताया कि उसके पति को गंगा किनारे केले के पेड़ पर रखने के बाद ठीक कर दिया जाएगा। महिला के प्रार्थना पत्र में बताया गया कि उस समय उसके पति की मौत हो चुकी थी, लेकिन उसे इसकी जानकारी नहीं दी गई। वह बेहद दुखी और मानसिक रूप से परेशान थी। आरोप है कि इसी स्थिति का फायदा उठाकर आरोपियों ने उसे अपनी बातों पर विश्वास दिलाया और उनके कहने पर महिला ने पति के शव को गंगा में प्रवाहित कर दिया। महिला को उम्मीद थी कि आरोपियों के बताए तरीके से उसका पति ठीक होकर वापस लौट आएगा। कुछ दिन बाद आरोपियों ने महिला को फोन कर बताया कि उसके पति को सपेरे ने अपने पास रख लिया है और वह जीवित हैं। उन्होंने महिला की बात सपेरे से कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद एक व्यक्ति से फोन पर बात कराई गई, जिसने खुद को सपेरा बताते हुए महिला को भरोसा दिलाया कि उसका पति बिल्कुल ठीक है। बाद में आरोपियों ने कहा कि पति को अभी सामने नहीं लाया जा सकता, क्योंकि उन्हें बंगाल में अपने गुरु के पास ले जाया गया है। इसके लिए महिला से करीब 20 हजार रुपये और ले लिए गए। आरोप है कि जब महिला ने बार-बार अपने पति से बात कराने और उनका चेहरा दिखाने की मांग की तो आरोपी टालमटोल करने लगे। कभी गुरु के आदेश का हवाला दिया गया तो कभी फोन पर बात कराने से इनकार कर दिया गया। आरोपियों ने महिला को यह भी बताया कि उसका पति करीब आठ साल बाद गांव के घर की सीमा में वापस आएगा। इसके बाद पति के कपड़ों और अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर महिला से हर महीने 10 हजार रुपये देने की मांग की जाने लगी। ऑनलाइन और नकद मिलाकर 2.70 लाख रुपये देने का आरोप

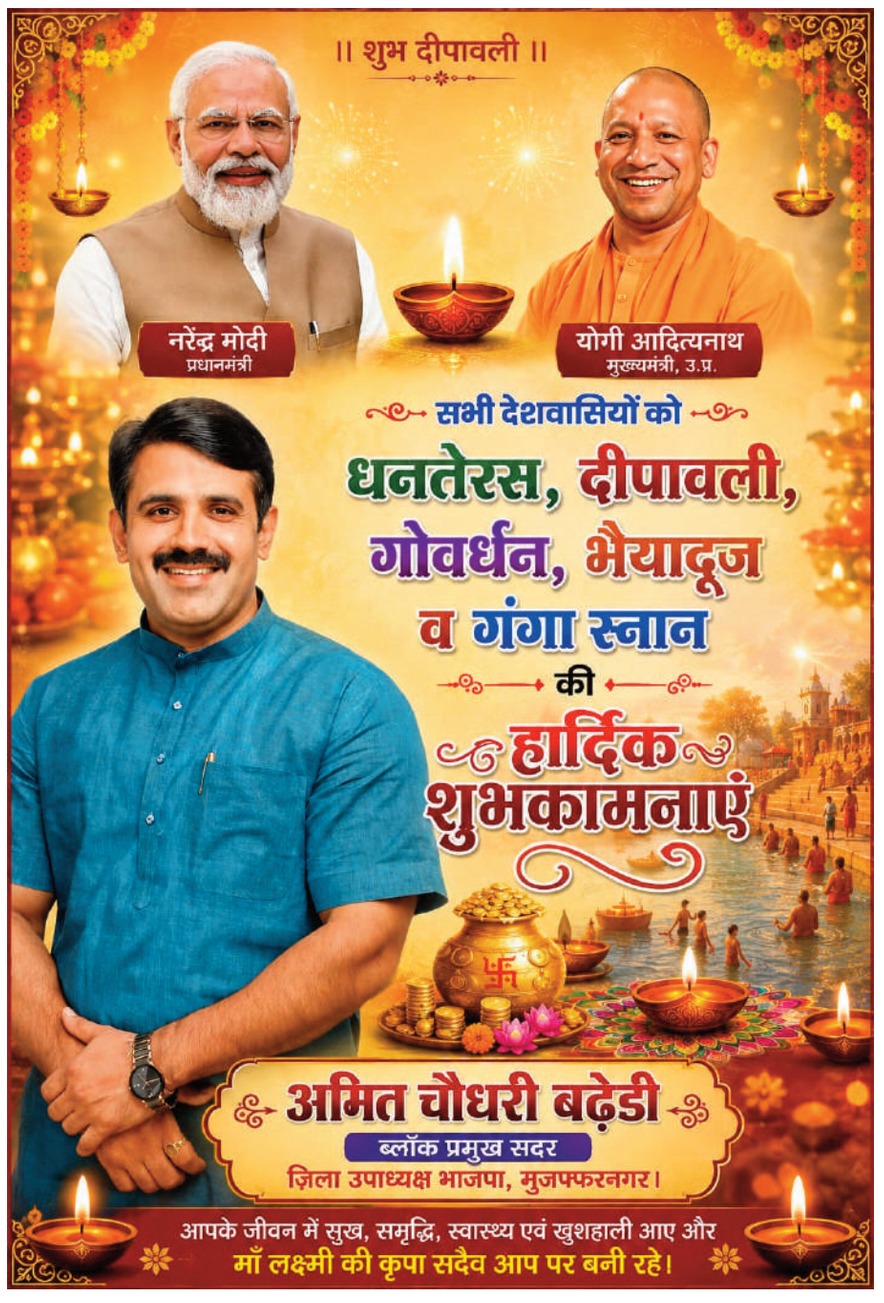
महिला के अनुसार आरोपियों ने उसकी भावनाओं और पति के वापस आने की उम्मीद का फायदा उठाया। उसने अलग-अलग समय पर यूपीआई, फोन-पे और गूगल-पे के माध्यम से रकम भेजी। इसके अलावा कई बार नकद रुपये भी दिए।

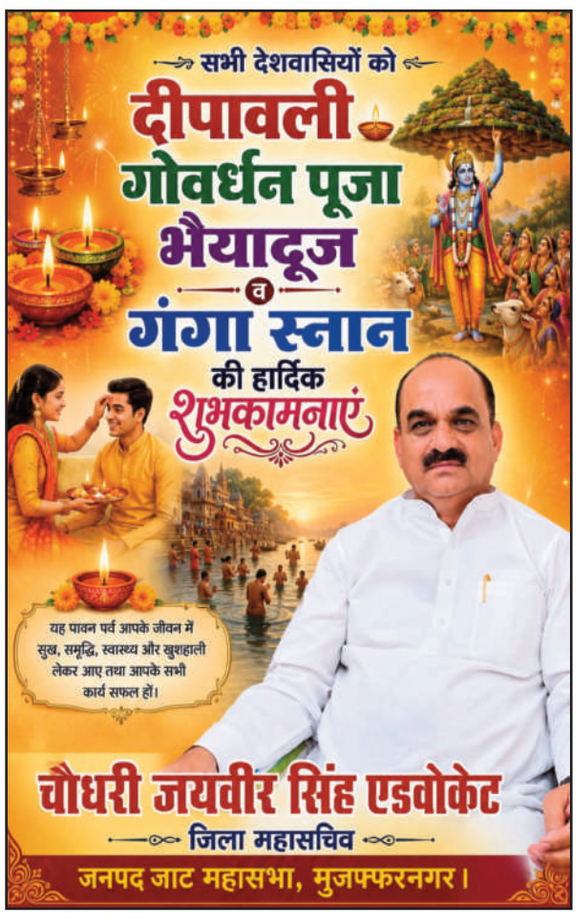
महिला का आरोप है कि ऑनलाइन और नकद मिलाकर वह आरोपियों को करीब 2.70 लाख रुपये दे चुकी है। उसके परिजनों की ओर से भी आरोपियों के बताए खातों में ऑनलाइन रकम भेजी गई। महिला के पास भुगतान से संबंधित स्क्रीनशॉट और अन्य रिकॉर्ड मौजूद होने की बात भी प्रार्थना पत्र में कही गई है।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर पहुंची न्यायालय

महिला का आरोप है कि काफी रकम लेने के बाद आरोपियों ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। फोन करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद उसने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ ही भौराकलां थाने तथा एसएसपी मुजफ्फरनगर को भी रजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र भेजे। कार्रवाई नहीं होने पर उसने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/न्यायिक मजिस्ट्रेट बुढ़ाना में धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत दिए गए प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई के बाद भौराकलां पुलिस ने मोनू, धर्मपाल और बिजेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब महिला की ओर से लगाए गए आरोपों, ऑनलाइन भुगतान के रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।









झांसी की रानी मार्केट में महिला के बैग से सोने का मंगलसूत्र चोरी, भीड़ का फायदा उठाकर महिला ने दिया वारदात को अंजाम

खरीदारी करने मुजफ्फरनगर आई विवाहिता के बैग से 10 हजार रुपये और आठ ग्राम का सोने का मंगलसूत्र गायब

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख बाजार झांसी की रानी मार्केट में खरीदारी करने आई एक विवाहिता के बैग से सोने का मंगलसूत्र चोरी होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाजार में उमड़ी भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला ने विवाहिता के बैग की जेब से सोने का मंगलसूत्र निकाल लिया और मौके से फरार हो गई। पीड़िता ने महिला को चोरी करते हुए देखने का दावा करते हुए आसपास के लोगों से उसके बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद महिला की पहचान होने पर पीड़िता ने थाना सिविल लाइन में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खरीदारी के लिए बाजार आई थी विवाहिता

खतौली थाना क्षेत्र के गांव पमनावली निवासी पारुल पत्नी विपिन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह दो नवंबर 2026 को खरीदारी करने के लिए मुजफ्फरनगर स्थित झांसी की रानी मार्केट आई थी। उसके बैग में 10 हजार रुपये नकद रखे हुए थे। इसके अलावा उसके पास करीब आठ ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र भी था। बाजार में अधिक भीड़ होने के कारण उसने अपना मंगलसूत्र सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बैग की जेब में रख दिया था।

भीड़ का फायदा उठाकर बैग से निकाला मंगलसूत्र

पीड़िता के अनुसार, बाजार में काफी भीड़ थी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला ने उसके बैग की जेब से सोने का मंगलसूत्र निकाल लिया और भीड़ में गायब हो गई। जब पारुल को अपने मंगलसूत्र के चोरी होने का पता चला तो उसने आसपास महिला की तलाश की। पीड़िता का आरोप है कि उसने संबंधित महिला को मंगलसूत्र निकालते हुए देख लिया था।

आसपास के लोगों से पूछताछ में सामने आया महिला का नाम

पारुल ने तहरीर में बताया कि घटना के बाद उसने मौके पर मौजूद लोगों से महिला के बारे में जानकारी जुटाई। आसपास के लोगों ने महिला का नाम सुरेड्या पत्नी तहसीन निवासी सऊदीपुर रोड, मुजफ्फरनगर बताया। पीड़िता के अनुसार, वहां मौजूद कुछ लोगों ने उक्त महिला के बारे में यह भी बताया कि वह पहले भी चोरी और जेब काटने जैसी घटनाओं में शामिल रही है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच में होनी बाकी है। 112 पर दी सूचना, पुलिस से की कार्रवाई की मांग

पीड़िता ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर दी। इसके बाद थाना सिविल लाइन पहुंचकर लिखित शिकायत दी और आरोपित महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पीड़िता ने अपने आठ ग्राम सोने के मंगलसूत्र की बरामदगी और चोरी की घटना में शामिल महिला के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस ने पारुल की तहरीर के आधार पर नामजद महिला सुरेड्या के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान घटना के समय बाजार में मौजूद लोगों से जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी महत्वपूर्ण हो सकती है। बाजारों में बढ़ती भीड़ के बीच चोरी की इस घटना ने खरीदारी करने आने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर त्योहारों के दौरान बाजारों में महिलाओं के बैग और कीमती सामान को निशाना बनाए जाने की आशंका बनी रहती है। पुलिस से बाजारों में निगरानी बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

स्टेडियम रोड पर तेज रफ्तार ऑल्टो ने कार में मारी जोरदार टक्कर, पलटकर क्षतिग्रस्त हुई गाड़ी

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के स्टेडियम रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ रही ऑल्टो कार ने दूसरी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दूसरी कार पलट गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद ऑल्टो कार का चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बच्चों को छोड़ने जा रहे थे कार सवार

नई मंडी क्षेत्र के कंबलवाला बाग निवासी प्रमोद गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि छह नवंबर को सुबह करीब 11:45 बजे वह अपनी कार संख्या DL8CAY7545 से स्टेडियम रोड होते हुए जाट कॉलोनी की ओर बच्चों को छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान स्टेडियम की ओर से आ रही एक ऑल्टो कार के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही पलट गई कार, हुआ भारी नुकसान

प्रमोद गौतम के अनुसार ऑल्टो कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी कार पलट गई। हादसे में कार काफी क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। आरोप है कि दुर्घटना के बाद ऑल्टो कार चालक ने मौके पर रुककर अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय वहां से फरार होना उचित समझा। चालक ने न तो नुकसान की भरपाई की और न ही कोई जिम्मेदारी ली।

फरार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पीड़ित ने सात नवंबर को थाना सिविल लाइन पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। उन्होंने घटना की जांच कराकर फरार ऑल्टो चालक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और वाहन को हुए नुकसान के मामले में न्याय दिलाने की मांग की।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पुलिस ने प्रमोद गौतम की तहरीर के आधार पर अज्ञात ऑल्टो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और फरार चालक तथा वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बालिकाओं ने लिया बाल विवाह के खिलाफ संकल्प, ज्ञान का दीप जलाकर समाज से मिटाएंगी कुरीति का अंधकार

बाल विवाह मुक्त मुजफ्फरनगर अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यशाला और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित, बालिकाओं को भेंट किए गए स्माइल मग

मुजफ्फरनगर। बाल अधिकारों के संरक्षण, बालिकाओं की शिक्षा और समाज से बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने के उद्देश्य से जनपद में ह्यबाल विवाह मुक्त मुजफ्फरनगरह्ल अभियान के अंतर्गत विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पांच पर्व के शुभारंभ के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, नगरीय क्षेत्र मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं, शिक्षकों और अधिकारियों ने बाल विवाह के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने तथा इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने संदेश दिया कि वे ज्ञान का दीप जलाकर बाल विवाह के अंधकार को दूर करेंगी।

दीप प्रज्वलित कर बाल विवाह के खिलाफ लिया संकल्प

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार के निर्देशन में डॉ. राजीव कुमार की ओर से जागरूकता अभियान, कार्यशाला, शपथ ग्रहण एवं उपहार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने किया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार, डॉ. राजीव कुमार, विद्यालय की वार्डन बबीता शर्मा तथा शिक्षिकाओं शिल्पा और कोमल ने बालिकाओं के साथ दीप प्रज्वलित किया। दीप प्रज्वलन के माध्यम से समाज से बाल विवाह रूपी अंधकार को मिटाने का संदेश दिया गया। उपस्थित बालिकाओं को बाल विवाह न करने और कहीं भी बाल विवाह होने की जानकारी मिलने पर उसे रोकने के लिए आगे आने की शपथ दिलाई गई।

बाल विवाह कराने पर दो साल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान

कार्यक्रम के दौरान आयोजित जागरूकता कार्यशाला में बाल कल्याण समिति के



सदस्य डॉ. राजीव कुमार ने बालिकाओं एवं उपस्थित स्टाफ को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कानून के तहत बाल विवाह कराने या उसमें सहयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान है। इसके अंतर्गत दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक के कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। उन्होंने बालिकाओं को बताया कि बाल विवाह उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षित भविष्य और व्यक्तिगत विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर बाल विवाह न करने और बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ लेने वाली सभी बालिकाओं एवं विद्यालय स्टाफ को पांच पर्व की शुभकामनाओं के साथ स्माइल मग भेंट किए गए। उपहार वितरण के माध्यम से बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया गया और उन्हें सामाजिक बदलाव की इस मुहिम से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय की वार्डन बबीता शर्मा ने जनपदवासियों से बाल विवाह मुक्त मुजफ्फरनगर अभियान में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। समाज के सभी वर्गों को आगे आकर बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बालिकाओं को शिक्षा और समान अवसर देकर ही एक सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। बाल विवाह को रोकना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है।

बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए स्कूलों में चलेगा जागरूकता अभियान, सुरक्षित बचपन अभियान के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू

मुजफ्फरनगर। बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षित रखने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने और विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में ह्यसुरक्षित बचपन अभियानह्ल के द्वितीय चरण की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों की सुरक्षा, यौन अपराधों से बचाव और विद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की ओर से जारी पत्र के अनुपालन में अखिल भारतीय विद्यालय जागरूकता अभियान सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन किया जाना है। इस संबंध में जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निदेर्शानुसार सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी के विश्राम कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि डॉ. रणवीर सिंह तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि सुशील कुमार उपस्थित रहे। बैठक में अभियान को जनपद के विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने और बच्चों को जागरूक करने



के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम-2012 (पॉक्सो एक्ट) के अंतर्गत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर चर्चा की गई। अभियान के माध्यम से विद्यालयों में बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान तथा किसी भी प्रकार की अनुचित घटना की जानकारी जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को ऐसा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे बिना किसी डर के अपनी बात रख सकें और किसी परेशानी की स्थिति में उचित सहायता प्राप्त कर सकें। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने उपस्थित अधिकारियों को सुरक्षित बचपन अभियान के द्वितीय चरण को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों को विद्यालयों तक पहुंचाने तथा शिक्षा विभाग के माध्यम से जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण अभियान में संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक जागरूकता का संदेश पहुंच सके। विद्यालयों को जागरूकता अभियान से जोड़ने की तैयारी अखिल भारतीय विद्यालय जागरूकता अभियान का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना और उनके संरक्षण के लिए कानूनी प्रावधानों की जानकारी देना है। जनपद में अभियान के दूसरे चरण के माध्यम से विद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस मुहिम से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

साइबर ठगी के शिकार युवक को सिखेड़ा पुलिस ने वापस दिलाए 59 हजार रुपये

साइबर हेल्प डेस्क टीम की तत्परता से पीड़ित को मिली पूरी रकम, ऑनलाइन शिकायत पर बैंक से संपर्क कर की गई कार्रवाई



मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधियों द्वारा ऑनलाइन ठगी कर लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ करने के मामलों के बीच सिखेड़ा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए साइबर ठगी के शिकार युवक को उसकी पूरी रकम वापस दिला दी। साइबर हेल्प डेस्क टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 59 हजार रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दिए। पूरी धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित को राहत मिली।

ऑनलाइन शिकायत पर तत्काल हरकत में आई साइबर टीम

पुलिस के अनुसार, थाना सिखेड़ा क्षेत्र के ग्राम बहरादपुर निवासी रजत के साथ 30 अक्टूबर 2026 को 59 हजार रुपये की साइबर ठगी हुई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत ऑनलाइन साइबर अपराध पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज कराई थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए थाना सिखेड़ा की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

बैंक से संपर्क कर वापस कराई पूरी धनराशि

साइबर हेल्प डेस्क टीम ने संबंधित बैंक और अन्य आवश्यक माध्यमों से संपर्क कर ठगी गई रकम वापस कराने के प्रयास किए। पुलिस की प्रभावी पैरवी और कार्रवाई के परिणामस्वरूप 7 नवंबर 2026 को पीड़ित के बैंक खाते में ठगी की पूरी धनराशि 59 हजार रुपये वापस करा दी गई।

एसएसपी के अभियान के तहत हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साहू के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष सिखेड़ा जोगेंद्र सिंह के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर करें शिकायत

मुजफ्फरनगर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगी की सूचना जितनी जल्दी दी जाती है, ठगी गई धनराशि को संबंधित खातों में फ्रीज कराकर वापस दिलाने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है।













दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का सबसे सटीक शुभ मुहूर्त

साल 2026 में दीपावली (लक्ष्मी पूजन) का मुख्य पर्व 8 नवंबर 2026, रविवार को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, दिवाली कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार, दिवाली के दिन माता लक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल और निशिथ काल में की जाती है। जिस दिन अमावस्या तिथि इन दोनों कालों में व्याप्त होती है, उसी दिन दीपावली पूजन का विधान है।

अमावस्या तिथि की समय-सीमा

अमावस्या तिथि प्रारंभ: 8 नवंबर 2026, सुबह 11:27 बजे से
अमावस्या तिथि समाप्त: 9 नवंबर 2026, दोपहर 12:31 बजे तक
लक्ष्मी पूजन के मुख्य मुहूर्त (8 नवंबर 2026):
अभिजीत मुहूर्त सुबह : 11:43 से दोपहर 12:26 बजे तक
विजय मुहूर्त दोपहर : 01:54 से 02:37 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त शाम : 05:31 से 05:57 बजे तक
लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : शाम 05:54 से 07:50 बजे तक
प्रदोषकाल मुहूर्त : शाम 05:31 से रात्रि 08:09 तक।
निशिथ काल मुहूर्त : रात 11:39 से मध्यरात्रि 12:31 बजे तक
प्रदोष काल गृहस्थों के लिए महालक्ष्मी पूजन का यह सबसे उत्तम और स्थिर लग्न मुहूर्त है। निशिथ काल मुहूर्त तांत्रिक पूजा, काली पूजा और महानिशा पूजा के लिए यह समय उपयुक्त है।

दीपावली का आध्यात्मिक महत्व

दीपावली का वास्तविक संदेश अपने अंतर्मन को सद्गुणों से प्रकाशित करना है। घरों में प्रदीप्त हो रही दीपक की छोटी-सी लौ यह स्मरण कराती है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, प्रकाश की एक किरण उसे दूर करने का सामर्थ्य रखती है। इसी प्रकार जीवन में सत्य, विवेक और सदाचार का अनुसरण करके अज्ञान, ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार जैसे दोषों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। सनातन की दिव्य परंपरा में दीपावली को धर्म, शुभता और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस त्यौहार पर लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, मंदिरों को सजाते हैं, दीप प्रज्वलित करते हैं और आराध्य देवी-देवताओं का स्मरण करते हैं। यह अवसर परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम बाँटने, पुराने मतभेद दूर करने और संबंधों में मधुरता लाने की प्रेरणा भी देता है।



जीवन में नई आशा और मंगल का संदेश लेकर आता है दीपावली का पर्व

दीपावली के अवसर पर जानिए दिवाली पूजा की सबसे सरल विधि और यह भी जानिए कि पूजन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस बार दीवाली का त्योहार 8 नवंबर को मनाया जाएगा।

दिवाली की सबसे सरल पूजा विधि

- ईशान कोण या उत्तर दीशा में साफ सफाई करके स्वास्तिक बनाएं। उसके उपर चावल की ढेरी रखें। अब उसके उपर लकड़ी का पाट बिछाएं। पाट के उपर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर रखें। तस्वीर में गणेश और कुबेर की तस्वीर भी हो। माता के दाएं और बाएं सफेद हाथी के चित्र भी होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। इसके बाद धूप-दीप चलाएं। सभी मूर्ति और तस्वीरों को जल छिड़ककर पवित्र करें।
- अब खुद कुश के आसन पर बैठकर माता लक्ष्मी की षोडशोपचार पूजा करें। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- माता लक्ष्मी सहित सभी के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।

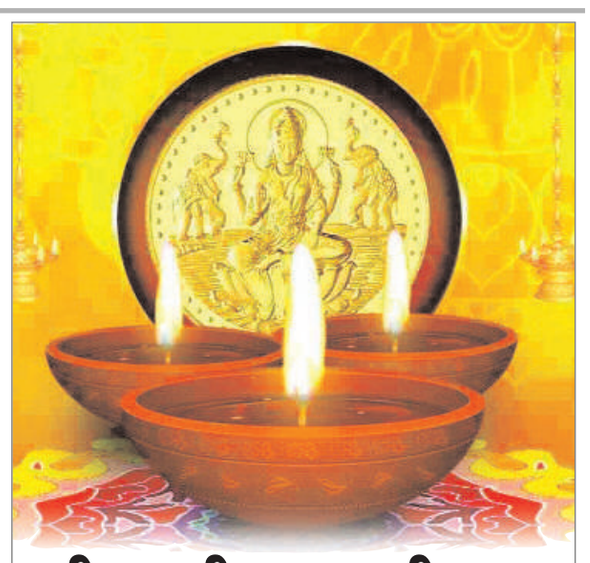
ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।
ऊँ महालक्ष्म्यै नमो नमः धनप्रदायै नमो नमः ऊँ विश्वजनन्यै नमो नमः।

- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है। इस दिन लक्ष्मीजी को मखाना, सिंघाड़ा, बताशे, ईख, हलुआ, खीर, अनार, पान, सफेद और पीले रंग के मिष्ठान्न, केसर-भात आदि अर्पित किए जाते हैं। पूजन के दौरान 16 प्रकार की गुजिया, पपड़ियां, अनर्सा, लड्डू भी चढ़ाएं जाते हैं। आह्वान में पुलहरा चढ़ाया जाता है। इसके बाद चावल, बादाम, पिस्ता, छुआरा, हल्दी, सुपारी, गेंहूं, नारियल अर्पित करते हैं। केवड़े के फूल और आम्रबेल का भोग अर्पित करते हैं।
- पूजा करने के बाद अंत में खड़े होकर उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है। पूजा के बाद कपूर आरती जरूर करें। कर्पूर गौरम करुणा का श्लोक बोलें। आरती को सबसे पहले उसे अपने आराध्य के चरणों की तरफ चार बार, इसके बाद नाभि की तरफ दो बार और अंत में एक बार मुख की तरफ घुमाएं। ऐसा कुल सात बार करें। आरती करने के बाद उस पर से जल फेर दें और प्रसाद स्वरूप सभी लोगों पर छिड़कें।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- पूजा और आरती के बाद ही किसी से मिलने जाएं, मिठाई बांटे या पटाखें फोड़े।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अतः आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

दिवाली का ज्योतिषीय महत्व

हिंदू धर्म के प्रत्येक त्यौहार की तरह दिवाली का भी अपना ज्योतिषीय महत्व है। ऐसी मान्यता है कि अनेक पर्व और त्यौहारों पर बनने वाली ग्रहों की दशा एवं विशेष योग मानव समाज के लिए फलदायी होते हैं। दिवाली का समय हिन्दुओं द्वारा किसी भी नए कार्य के शुभारंभ और किसी वस्तु को खरीदने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसका भी अपना ज्योतिषीय कारण है। दीपावली के समय तुला राशि में सूर्य और चंद्रमा स्वाति नक्षत्र में स्थित होते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की स्थिति किसी भी व्यक्ति को शुभ फल देने वाली होती है। तुला राशि एक संतुलित भाव वाली राशि है जो न्याय और निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है। तुला राशि के स्वामी शुक्र सौहार्द, भाईचारे, सद्भाव और सम्मान का कारक हैं। इन्ही गुणों के कारण सूर्य और चंद्रमा का तुला राशि में स्थित होना शुभ संयोग का निर्माण करता है।





दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के समय क्यों रखा जाता है कौड़ी और कमल गट्टा?

दीपावली का त्योहार मां लक्ष्मी के स्वागत और उनकी विशेष पूजा-अर्चना के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन घरों और मंदिरों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन किया जाता है। पूजा के दौरान कई ऐसी वस्तुएं रखी जाती हैं, जिन्हें धन, समृद्धि, सुख-शांति और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इन्हीं वस्तुओं में आपने देखा होगा कि दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की थाली में पीली कौड़ियां और कमल गट्टे जरूर रखे जाते हैं। आखिर इन दोनों चीजों को मां लक्ष्मी की पूजा में शामिल करने की परंपरा क्यों है?

लक्ष्मी पूजन में इसलिए रखी जाती है कौड़ी

धार्मिक मान्यताओं में कौड़ी को मां लक्ष्मी से जुड़ी शुभ वस्तु माना जाता है। प्राचीन समय में कौड़ियों का इस्तेमाल मुद्रा के रूप में भी किया जाता था। उस दौर में लोग वस्तुओं के लेनदेन के लिए कौड़ियों का उपयोग करते थे। इसी वजह से धीरे-धीरे कौड़ी का संबंध धन, संपन्नता और आर्थिक समृद्धि से जुड़ गया। मान्यता है कि दीपावली पर मां लक्ष्मी के पूजन में कौड़ी रखने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। इसे धन की देवी का प्रिय प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से पीली कौड़ी को शुभता और धन-वैभव से जोड़कर देखा जाता है। कई परिवारों में दीपावली के दिन कौड़ियों को हल्दी या केसर से रंगकर मां लक्ष्मी के चरणों में अर्पित किया जाता है।

कौड़ी का मां लक्ष्मी से क्या है संबंध

कौड़ी को मां लक्ष्मी से जोड़ने के पीछे समुद्र से संबंधित धार्मिक मान्यताएं भी प्रचलित हैं। मान्यता के अनुसार मां लक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र मंथन के दौरान हुआ था। समुद्र से उत्पन्न होने के कारण कौड़ी को भी देवी लक्ष्मी से संबंधित शुभ वस्तु माना जाने लगा। यही वजह है कि कौड़ी को लक्ष्मी पूजन, धनतेरस और दीपावली के अवसर पर विशेष रूप से शामिल किया जाता है।

दीपावली पर कमल गट्टा क्यों रखा जाता है

मां लक्ष्मी की पूजा में कमल गट्टे का भी विशेष महत्व माना जाता है। कमल गट्टा कमल के फूल के बीज होते हैं। धार्मिक दृष्टि से कमल का फूल देवी लक्ष्मी का प्रिय पुष्प माना जाता है। मां लक्ष्मी को अक्सर कमल के आसन पर विराजमान दिखाया जाता है। उनके हाथों में भी कमल के फूल सुशोभित होते हैं। कमल का फूल कीचड़ में खिलने के बावजूद अपनी सुंदरता और पवित्रता बनाए रखता है। इसी कारण इसे पवित्रता, निर्मलता, सकारात्मकता, आध्यात्मिक उन्नति और परिवार में सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कमल गट्टा अर्पित करने की परंपरा इसी धार्मिक संबंध से जुड़ी हुई है।

कमल गट्टे का धन और समृद्धि से क्या संबंध है?

धार्मिक मान्यताओं में कमल गट्टे को धन-धान्य और ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। दीपावली के दिन कई श्रद्धालु कमल गट्टे की माला से मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप भी करते हैं। मान्यता है कि इससे मन एकाग्र होता है और साधक को देवी की आराधना में विशेष फल प्राप्त होता है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कौड़ी और कमल गट्टा रखना केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा में समृद्धि और पवित्रता के प्रतीकों को सम्मान देने का तरीका भी है।



पुष्कर, जयपुर और जैसलमेर की दिवाली होती है विशेष

वैसे तो दिवाली का पर्व हर शहर में अपने तरीके से मनाया जाता है। पूरे देश ही दीपों और लाइट से जगमग जगमग हो उठता है। आसमान से देखने पर भारत का शानदार नजारा दिखाई देता है। करोड़ों दीयों से आसमान भी रोशन हो जाता है। कहते हैं कि राजस्थान के पुष्कर, जयपुर और जैसलमेर में तो दिवाली बहुत ही शानदार तरीके से और अलग ही अंदाज में मनाई जाती है।

पुष्कर की दिवाली

पुष्कर में कई देशी और विदेशी पर्यटक आते जाते रहते हैं। इसलिए यहां पर दिपावली का उत्सव अलग ही अंदाज में मनाया जाता है। यहां की दिवाली देशभर में प्रसिद्ध है। पूरे शहर के दीपों से सजाया जाता है। पुष्कर झील के आसपास दिवाली के दीये जब जलाए जाते हैं तो पूरा क्षेत्र ऐसा नजर आता है जैसे झील में सूर्य उतर आया हो। यहां पर दिवाली पर 5 दिनों का भव्य उत्सव, ऊंट मेला और समारोह होता है जिसे देखने के लिए देश और विदेश से लोग आते हैं।

जयपुर की दिवाली

पिंक सिटी यानी गुलाबी शहर के नाम से विश्वभर में प्रसिद्ध यह नगर दीपकों की ज्योति से जब नहाता है तो पूरा शहर पिंक की बजाया सुनहरा नजर आता है। यहां पर हवा महल की जगमग रोशनी देखते ही बनती है। जयपुर के बाजार भी किसी दुल्हन की तरह सज जाते हैं जहां पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

जैसलमेर

जैसलमेर में सुनहरी रेत का रेगिस्तान दीयों की रोशनी में जब नहाता है तो उसे देखना अचरज भरा होता है। यहां पर जैसलमेर के किले को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया जाता है। पूरा जैसलमेर मिट्टी के लाखों दीयों, फूल और लाइट्स से जब जगमगाता है तो यह नजारा अद्भुत होता है। इसी के साथ यहां के सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोकनृत्य दिवाली के उत्सव में चार चांद लगा देते हैं।

देवालयों में दीप जलाएं

- दीपावली पर सायंकाल देवालयों में दीपदान, रात्रि के अंतिम पहर में दरिद्रा निस्तारण करना चाहिए।
- व्यापारी वर्ग शुभ व स्थिर लग्न में अपने प्रतिष्ठान की उन्नति के लिए महालक्ष्मी पूजन करते हैं।
- घरों में लक्ष्मी-गणेश व कुबेर का पंचोपचार या षोडशोपचार पूजन कर दीप जलाना चाहिए।
- मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए श्रीसूक्तमकनकधारा स्त्रोत, लक्ष्मी चालीसा, लक्ष्मी मंत्र का पाठ-जप-हवन आदि करना चाहिए। इससे महालक्ष्मी, स्थिर लक्ष्मी स्वरूप में कृपा के साथ धन-धान्य, सौभाग्य, पुत्र-पौत्र, ऐश्वर्य और प्रभुत्व का इत्यादि का वरदान देती हैं।
- दीपावली की सुबह हनुमान जी का दर्शन-पूजन करना चाहिए।



समाज का समर्थन मिला तो जरूर लड़ूंगा चुनाव : विकास जैन



नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को प्रेस वार्ता एवं दीपावली मिलन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अपनी राजनीतिक मंशा स्पष्ट करते हुए नोएडा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के मजबूत संकेत दिए।

पत्रकारों के सवाल पर विकास जैन ने कहा, 'यदि समाज का समर्थन और आशीर्वाद मिला तथा समाज ने मुझे चुनाव लड़ने के लिए कहा, तो मैं पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हूं। मेरी इच्छा अपने क्षेत्र में विकास की नई धारा बहाने और नोएडा की समस्याओं का स्थायी समाधान कराने की है।'

भाजपा के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी आत्मा भारतीय जनता पार्टी में बसती है और वह भाजपा के साथ ही रहना चाहते हैं। हालांकि, भविष्य की राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर उन्होंने कोई अंतिम घोषणा नहीं की।

अपनी चुनावी प्राथमिकताओं पर उन्होंने कहा कि पिछले 17 वर्षों से वह जमीनी स्तर पर व्यापारियों और समाज के बीच रहकर कार्य कर रहे हैं। नोएडा की मूलभूत समस्याओं, व्यापारियों के हितों और समाज के छोटे-बड़े मुद्दों को प्राथमिकता देकर क्षेत्र को नई पहचान दिलाना उनका उद्देश्य है।

विकास जैन ने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मुझे अपनी किस्मत नहीं चमकानी, मुझे अपने शहर को चमकाना है।' उन्होंने कहा कि पत्रकारों ने हमेशा उनका मार्गदर्शन किया है और वह पत्रकार बंधुओं के स्नेह एवं सहयोग के सदैव ऋणी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा में योगदान देने वालों के सम्मान में 'एक दिया लोकतंत्र के बचाने वालों के नाम' अभियान की शुरुआत भी की गई। इसके अंतर्गत प्रदेश कार्यालय में लगातार तीन दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित किया जाएगा तथा घर-घर दीप जलाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विकास जैन ने प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता, मनीष अग्रवाल, शक्ति सिंह, सचिन गोयल, राजेश जिंदल, विनीत गोयल, विवेक अग्रवाल, रोशनी सिंह, अमित गोयल, शिवा चौहान, मनीष शर्मा सहित अनेक व्यापारी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजनीतिक संकेत स्पष्ट हैं– विकास जैन अब नोएडा विधानसभा 2027 की संभावित दावेदारी को लेकर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय समाज के समर्थन और राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर लेने की बात उन्होंने कही है।

दीदी की रसोई ट्रस्ट का 5वां स्थापना दिवस एवं दीपावली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया



नोएडा। दीदी की रसोई ट्रस्ट का पांचवां स्थापना दिवस एवं दीपावली का पावन पर्व शनिवार को ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रितु सिन्हा के नेतृत्व में सेक्टर 14-ए कम्युनिटी सेंटर, नोएडा पर बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमामय और भव्य वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, शहर के जाने-माने प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक श्रीवास्तव, श्रीमती मंजू सूद, सतीश शर्मा, अनिल सिंह, श्रीमती गिरिजा देवी, पी.सी. पंचोली सहित शहर के कई गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया।

सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में ट्रस्ट के 5वें स्थापना दिवस एवं दीपावली के पावन पर्व, गोवर्धन पूजा, भैया दूज एवं छठ पर्व की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि दीदी की रसोई ट्रस्ट ने मात्र पांच वर्षों में ही मानव सेवा के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रितु सिन्हा के सामाजिक कार्यों और विशेष रूप से मजदूरों, जरूरतमंदों व असहाय लोगों की मदद के लिए चलाई जा रही रसोई की सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

वक्ताओं ने कहा – 'जहां भूख है, वहां दीदी की रसोई है। यह सिर्फ रसोई नहीं, यह ममता, सम्मान और मानवता का मंदिर है। 'कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में श्रीमती गुड़िया देवी, श्रीमती सुमति, श्री मुन्ना कुमार, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती मंजू मेहरा, श्री नवीन पुरवार, श्रीमती सविता देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान दीपावली की खुशियां, एकता और सेवा का भाव देखने को मिला। अतिथियों का फूल-माला एवं अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।

अंत में ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती रितु सिन्हा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि – 'दीदी की रसोई ट्रस्ट का संकल्प है कि कोई भी भूखा न सोए। यह सेवा यात्रा आगे भी इसी समर्पण के साथ जारी रहेगी।'

भारतीय पर्व आयोजन समिति 9 नवंबर को करेगी विशाल गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन



नोएडा। द्वापर युग में देवताओं के राजा इन्द्र के अभिमान को तोड़ने के लिए सात दिन तक भगवान श्री कृष्ण की छोटी उंगली पर धारण किये गये श्री गिरिराज जी आज भी लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र है। दीपावली से अगले दिन यह हुआ था उसी की परम्परा अनुसार पूरे विश्व में गोवर्धन पूजा की जाती है। भारतीय पर्व आयोजन समिति, नोएडा पिछले 26 वर्षों से बड़ी धूमधाम से इस कार्यक्रम का आयोजन करती है। उसी क्रम में इस बार 9 नवंबर 26 दिन सोमवार को सायं 5 बजे से वैडिंग विला, सैक्टर 51, नोएडा में विशाल गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम में पारम्परिक पूजा के साथ राजू प्रिंस एवं कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। भगवान को अन्नकूट एवं छप्पन भोग प्रसाद अर्पण करके भक्तों में वितरित किया जाएगा। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद डाक्टर महेश शर्मा जी तथा विशिष्ट अतिथि श्री नवाब सिंह नागर तथा श्रीमती विमला बाथम रहेंगे। मुख्य यजमान श्री मुकेश गुप्ता (के.बी.मार्ट) होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संस्था संरक्षक सुधीर कुमार मित्तल, अध्यक्ष ओ.पी.गोयल, महासचिव डी.के.सिंहल, उपाध्यक्ष डी.के.मितल तथा जे.एम.गुप्ता कार्यक्रम संयोजक विपिन अग्रवाल अपनी पूरी लगन और मेहनत से दिन और रात को एक किए हुए हैं।

रोशनी से जगमगाया शहर, लक्ष्मी-गणेश पूजन के साथ मनेगी दीपावली

नोएडा। रोशनी, खुशियों और समृद्धि का त्योहार दीपावली रविवार को देशभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। भगवान श्रीराम के 14 वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी से जुड़ा यह पर्व अब घरों में सुख-समृद्धि और माता लक्ष्मी के स्वागत का प्रतीक बन चुका है। दीपावली को लेकर कई दिनों से चल रहीं तैयारियां शनिवार को छोटी दीवाली पर अपने अंतिम चरण में पहुंच गईं। शहर के बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। लोगों ने लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, फूलों की मालाएं, मिठाइयां, खील-बताशे, दीये, मिठाइयों के आकार के बने हाथी-घोड़े, झालर, इलेक्ट्रॉनिक लाइटें और सजावटी सामान खरीदे। कई दिन पहले से ही लोगों ने अपने घरों, दुकानों और दफ्तरों को रोशनी और फूलों से सजाया।

सेक्टर-18 स्थित अट्टा, सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट, सेक्टर-29, सेक्टर-59 मामूरा और भंगेल समेत शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में शनिवार को काफी भीड़ रही। छोटी दीवाली पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और फूलों की खरीदारी ज्यादा देखने को मिली। लोग पूजा के लिए मूर्तियों के साथ असली फूलों की मालाएं खरीद रहे थे, जबकि घरों की सजावट के लिए आर्टिफिशियल ?फूलों को अधिक पसंद किया गया। दुकानदारों के अनुसार आर्टिफिशियल फूल कम कीमत में मिल रहे है और कई दिनों तक खराब भी नहीं होते। इससे लोग इन्हें दोबारा भी इस्तेमाल कर सकते हैं। फूल विक्रेता सुधीर ने बताया कि अधिकतर ग्राहक असली फूल केवल लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों को पहनाने के लिए खरीद रहे हैं। वहीं, सजावट के लिए आर्टिफिशियल फूलों की मांग ज्यादा है। लगभग एक हफ्ते पहले बाजारों में असली फूलों की माला की कीमत करीब 30 से 40 रुपये की थी, जो शनिवार को 50 रुपये तक पहुंच गई।

बाजारों में दीवाली से जुड़े पारंपरिक सामान की भी खूब मांग रही। खील, बताशे और शक्कर से बने हाथी, घोड़े, गुड़िया और दूसरे खिलौने खरीदने के लिए लोग दुकानों पर पहुंचे। दुकानदार सुरेश ने बताया कि सामान्य दिनों में खील, बताशे और शक्कर के खिलौने करीब 50 से 70 रुपये किलों तक मिल जाते हैं, लेकिन दीवाली के समय इनकी मांग बढ़ने से कीमत 100 से 150 रुपये किलों तक पहुंच जाती है। इसके अलावा लोगों ने मिठाइयां, पूजा की थालियां रोली, चावल, कलश, धूप-अगरबत्ती, कपूर और अन्य पूजा सामग्री भी खरीदी।

सजावट और त्योहार की तैयारियां: सजावट के सामान में इस बार भी झालर, रंग-बिरंगी एलईडी लाइटें, इलेक्ट्रॉनिक दीये, मोमबत्तियां, रंगोली, बंदनवार, तोरण, सजावटी लड़ियां, आर्टिफिशियल फूल, लटकन और दरवाजों पर लगाने वाले सजावटी सामान की मांग रही। लोगों ने घरों की छत, बालकनी, मुख्य दरवाजे और मंदिरों को रोशनी से सजाया। कई परिवारों ने दीवाली के पर्व पर टीवी, फ्रिज, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ कार और दोपहिया वाहन भी खरीदे। वहीं शहर के सुनारों ने सोने की तुलना में चांदी की खरीदारी को अधिक बताया। लोगों ने चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, पाजेब, बिछिया और अन्य आभूषण खरीदे। सोने की कीमत अधिक होने के कारण कई ग्राहकों ने चांदी की अधिक खरीदारी की।

मंदिरों में हुई सजावट, सुबह से होंगे दर्शन: दीपावली को लेकर शहर के प्रमुख मंदिरों में साफ-सफाई और सजावट की गई। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर और सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर समेत अन्य मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। मंदिरों में रविवार सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। लोग मंदिरों में पहुंचकर भगवान के दर्शन करेंगे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। इस उपलक्ष्य में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं घरों में शाम को परिवार के लोग एक साथ माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करेंगे। आचार्य आदित्य द्विवेदी ने कहा कि दीपावली पर प्रदोष काल में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन घरों की सफाई कर दीप जलाए जाते हैं और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। शहर में रविवार को लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5:54 से 7:49 तक रहेगा। इस बीच श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा अर्चना कर दीपावली का पर्व मनाएंगे।

जैन मंदिरों में दो दिन चढ़ेंगे लड्डू: दीपावली जैन समुदाय के लिए भी विशेष धार्मिक महत्व रखती है। जैन धर्म में इस दिन भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में दीपावली मनाई जाएगी। मान्यता के अनुसार भगवान महावीर को कार्तिक अमावस्या के दिन निर्वाण प्राप्त हुआ था। इसी उपलक्ष्य में जैन मंदिरों में निर्वाण लड्डू चढ़ाने की परंपरा है। सेक्टर-27 स्थित जैन मंदिर और सेक्टर-50 स्थित शहर के अन्य जैन मंदिरों में रविवार और सोमवार को यह परंपरा निभाई जाएगी। श्रद्धालु भगवान महावीर को 11, 21, 31 और 41 किलों के चीनी के लड्डू अर्पित करेंगे। इसके साथ ही मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम भी होंगे।

कुलदीप भाटी बने अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष



नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित नहीं बस्ती गांव के रहने वाले कुलदीप भाटी को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर श्री भाटी ने कहा कि कल मुझे अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी के यहां कार्यालय पर राष्ट्रीय गुर्जर महासभा की आवश्यक मीटिंग में बुलाया गया, जिसमें मुझे प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का बहुत-बहुत आभार। इसकी घोषणा ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी के द्वारा की गई। मै समस्त राष्ट्रीय गुर्जर महासभा व समस्त क्षेत्र वासियो का आभार व्यक्त करते हुए दीपावली की पावन अवसर पर सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

नोएडा में त्योहारों पर मनमानी किराया वसूली पड़ी भारी! परमिट होगा निरस्त, ओवरलोडिंग और नशे में ड्राइविंग पर भी सख्ती

नोएडा। आगामी दीपावली, भाई दूज और छठ पूजा के त्योहारों के दौरान यात्रियों की संभावित भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए गौतमबुद्धनगर के परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। पर्व के दौरान आम यात्रियों को सुगम और सुरक्षित सफर मुहैया कराने के उद्देश्य से विभाग की ओर से बस, टैक्सी, ऑटो और टेंपो संचालकों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि त्योहारों के समय तय किराए से अधिक वसूली करने, क्षमता से ज्यादा सवारियां भरने और नशे की हालत में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। यात्रियों से तय दर से अधिक किराया वसूलने पर संबंधित वाहन का परमिट निरस्त करने के साथ-साथ गाड़ी को जब्त करने तक की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए परिवहन विभाग की टीम लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने बस, टैक्सी और ऑटो-टेंपो संचालन संघों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान सभी चालकों और परिचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे यात्रा के दौरान महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के साथ पूरी तरह से सम्मानजनक व्यवहार करें। विभाग ने साफ कर दिया है कि सफर के दौरान यात्रियों के साथ अभद्रता या दुर्व्यवहार करने वाले चालकों और परिचालकों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

ओवरलोडिंग पर चालान और तेज रफ्तार वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी: त्योहारों के मौके पर वाहनों में ठंस-ठंसकर सवारियां बिठाने की शिकायतें सामने आती हैं, जिसे लेकर विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय के अनुसार, सभी वाहन संचालकों को अपनी गाड़ी की निर्धारित क्षमता के हिसाब से ही सवारियां बिठाने के निर्देश दिए गए हैं। बसों के पायदान पर खड़े होकर सफर करने, छत पर सवारी बिठाने और वाहनों के पीछे लटककर यात्रा करने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि किसी वाहन में तय क्षमता से अधिक सवारियां बैठी पाई गईं, तो उसका तुरंत चालान काटा जाएगा। इसके अलावा, निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वालों तथा एक्सप्रेसवे व मुख्य मार्गों पर तेज गति से गाड़ी दौड़ाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे नियम तोड़ने वाले वाहनों को ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है।

नशे में ड्राइविंग पर जीरो टॉलरेंस और सीट बेल्ट-हेलमेट अनिवार्य: सड़क हादसों को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने नशे की हालत में वाहन चलाने के मामलों में शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) की नीति लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि नशे में गाड़ी चलाते पाए जाने पर चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा और उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने शर्मिला शर्मा को 20 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए किया सम्मानित



नोएडा। सेक्टर-62 स्थित जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में दीपावली मिलन कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की प्रबंधक शर्मिला शर्मा को उनकी 20 वर्ष से अधिक की लंबी, समर्पित और उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. राहुल सिंह ने शर्मिला शर्मा के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, शर्मिला शर्मा मेहनती साहसी अनुभवी और निष्ठावान अधिकारी हैं। उन्होंने पिछले दो दशकों में अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता और दक्षता से संस्थान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अनुकरणीय भूमिका निभाई है। उनका समर्पण पूरे स्टाफ के लिए प्रेरणादायी है,उनको कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सभी सहकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

सम्मान से अभिभूत होकर शर्मिला शर्मा ने संस्थान की प्रबंधन, निदेशक और अपने साथी कर्मचारियों का सहृदय धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'जयपुरिया संस्थान मेरा दूसरा परिवार है। इस 20 साल के सफर में मुझे जो सहयोग और सम्मान मिला है, उसके लिए मैं सभी की आभारी हूँ। मैं पूरे विश्वास के साथ यह भरोसा दिलाती हूँ कि आगे भी इसी ऊर्जा, निष्ठा और अधिक कार्यकुशलता के साथ संस्थान की प्रगति में अपना योगदान देती रहूँगी।

दीपावली पर आरडब्ल्यूए ने सुरक्षा और सेवा में तैनात कर्मचारियों को बांटे उपहार



नोएडा। सेक्टर-34 स्थित बी-3 अरावली अपार्टमेंट की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा शनिवार को दीपावली पर्व के पावन अवसर पर एक विशेष सम्मान एवं उपहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत सोसायटी की सेवा और सुरक्षा में दिन-रात मुस्तैद रहने वाले विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देने के साथ ही उपहार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने सभी कर्मचारियों को पर्व की बधाई देते हुए कहा, 'दीपों का यह महापर्व अपने परिवार के साथ मिलकर खुशियां बांटने और आपसी सौहार्द का त्योहार है। पांच दिनों तक मनाए जाने वाले इस पावन उत्सव में हम सभी की सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। हमारी सोसायटी को सुरक्षित और स्वच्छ रखने वाले ये कर्मचारी हमारे सोसायटी परिवार के अभिन्न सदस्य हैं। त्योहार की खुशियों पर इनका भी बराबर का हक है।'

आरडब्ल्यूए द्वारा सोसायटी के सुपरवाइजर, सुरक्षाकर्मियों, सफाईकर्मियों, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, माली तथा विभिन्न प्रशासनिक विभागों के कर्मचारियों और उनके परिवारों को दीपावली की बधाई के साथ उपहार भेंट किए गए।

इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, महासचिव प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष अमित रस्तोगी कोषाध्यक्ष आर. पी. प्रजापति, सहकोषाध्यक्ष अविनाश कुमार, अजय रस्तोगी, सुरेश बने, आर. पी. सिंह और संतराज सिंह शामिल रहे।

दादरी में पुलिस मुठभेड़ के बाद दो शातिर चोर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली पुलिस ने बंद पड़े मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वहीं दूसरे आरोपी को इलाके में कांबिंग के दौरान पकड़ लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान गिरोह के दो अन्य सदस्य अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के जेवरात, नकदी, हथियार और एक स्विफ्ट कार बरामद की है। दादरी पुलिस की एक विशेष टीम सेक्टर ज्यू-3 के आसपास के इलाके में चेकिंग अभियान चला रही थी। उसी समय पुलिस टीम को एक स्विफ्ट कार आती हुई दिखाई दी। इस गाड़ी के भीतर चार लोग सवार थे। पुलिस टीम ने संदिग्ध कार को रुकने का स्पष्ट इशारा किया, लेकिन चालक ने रुकने की बजाय गाड़ी को मोड़कर मौके से भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने तुरंत हरकत में आते हुए भाग रही स्विफ्ट कार का पीछा करना शुरू कर दिया। खुद को घिरता हुआ देखकर कार में सवार चारों लोग गाड़ी छोड़कर पैदल ही भागने लगे। भागने के दौरान ही आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से सीधी फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दादरी की काशीराम कॉलोनी के रहने वाले राजेंद्र के बेटे अजय के पैर में गोली लग गई। गोली लगने से अजय घायल होकर वहीं गिर पड़ा और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही पुलिस टीम ने इलाके में कांबिंग अभियान चलाकर काशीराम कॉलोनी के ही रहने वाले मुस्तकीम के बेटे समीर को भी दबोच लिया। घायल आरोपी अजय को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भिजवाया गया है। हालांकि इस दौरान गिरोह के दो अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

अवैध हथियार, नकदी और जेवरात बरामद: पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से अवैध हथियार और चोरी का सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक चाकू बरामद किया है। इसके अलावा आरोपियों के पास से चोरी के जेवरात और नकदी भी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो जोड़ी सफेद धातु की पायल, चार सफेद धातु के सिक्के, पीली धातु की एक अंगूठी, सफेद धातु का एक कड़ा और पीली धातु की चेन का एक टुकड़ा जब्त किया है। इसके साथ ही आरोपियों के पास से छह हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बंद मकानों में चोरी की चार घटनाओं का खुलासा: पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने दो अन्य फरार साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बताया कि वे करीब दो महीने पहले तक विभिन्न इलाकों में स्थित बंद मकानों को निशाना बनाते थे। आरोपियों ने ओमीक्रोन-1, ओमीक्रोन-2, म्यू-01, म्यू-02 और पिंक सिटी दादरी के इलाकों में बंद पड़े घरों के ताले और सेफ अलमारी तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी करने की बात कबूल की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने दादरी क्षेत्र में दर्ज चार चोरी के मुकदमों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इनमें 4 सितंबर को दर्ज मुकदमा, 19 सितंबर को दर्ज मुकदमा और 6 अक्टूबर को दर्ज मुकदमा शामिल है। इन सभी मामलों में घरों के ताले और सेफ अलमारी तोड़कर नकदी और गहने चोरी किए गए थे।

आरोपियों का दर्ज आपराधिक इतिहास: पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अजय का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। आरोपी अजय के खिलाफ वर्ष 2018 से 2026 तक दादरी थाने में आर्म्स एक्ट, चोरी, अपहरण, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी समीर के खिलाफ भी चोरी के चार मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार समीर के खिलाफ दर्ज इन मुकदमों का संबंध इसी गिरोह की वारदातों से बताया गया है। पुलिस की टीम अब मुठभेड़ के दौरान मौके से फरार हुए गिरोह के दोनों अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने अपने अंचल के कर्मयोगियों के संग मनाई अनूठी दीपावली

नोएडा। दीपावली केवल दीपों का ही नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने और हर चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का पावन पर्व है। इसी भाव को चरितार्थ करते हुए आज आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी समिति, सेक्टर 105 ने अपने क्षेत्र को संवारने वाले असल प्रहरियों–सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा गार्डों, उद्यान विभाग, जल एवं सीवर विभाग के समर्पित कर्मियों के साथ दीपावली का पावन पर्व अत्यंत आत्मीयता के साथ मनाया। सेक्टर की सुख-शांति, स्वच्छता और सुचारू व्यवस्था के लिए निरंतर समर्पित इन कर्मयोगियों को जब दीपावली उपहार दिए गए, तो उपहार लेने वाले सभी कर्मियों के चेहरों पर जो असीम प्रसन्नता और संतुष्टि छलक उठी, उसने इस आयोजन को सचमुच अलौकिक बना दिया।



इस हृदयस्पर्शी कार्यक्रम के दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक शब्दों में कहा कि कड़ाके की ठंड हो या चिलचिलाती धूप, जो हाथ हमारे सेक्टर की सुरक्षा, स्वच्छता और जल एवं सीवर जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को संभालने के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, उनके साथ खुशियां बांटना ही हमारा सबसे बड़ा धर्म और सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि असली दीपावली तभी सार्थक होती है जब समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े मेहनतश इंसान के घर में भी उल्लास का दीप जले।

कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष श्रीमती रानी गौतम ने कहा कि इन कर्मियों की निष्ठा और सेवाभाव के आगे कोई भी उपहार छोटा है, और इनके चेहरे की यह प्रसन्नता हमारे लिए किसी बड़े आशीर्वाद से कम नहीं है।

महासचिव राजीव दुबलिश ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 परिवार इन सभी कर्मयोगियों को केवल कर्मचारी नहीं बल्कि अपने परिवार का अभिन्न हिस्सा मानता है।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुरेश बंसल जी और संयुक्त सचिव अनिल भदौरिया जी ने कहा कि इन मेहनतकश साथियों की बदौलत ही हमारा सेक्टर नोएडा में एक आदर्श आवासीय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। कार्यकारिणी सदस्य उमेश माथुर, हरीश पालीवाल और महेश चौहान जी ने भी सभी को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि सेवा और समर्पण का यह समन्वय हमारे शहर में एक अनूठी मिसाल कायम कर रहा है।

जब इन सेवाकर्मियों ने सम्मान और स्नेह के साथ उपहार स्वीकार किए, तो उनकी चमकती आंखें और मुस्कुराते चेहरे इस बात की गवाही दे रहे थे कि सच्चा पर्व वही है जहां अपनों के साथ-साथ हर जरूरतमंद और कर्मयोगी का जीवन भी रोशन हो सके।

आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 की इस संवेदनशील और मानवतावादी पहल ने पूरे नोएडा शहर में यह सशक्त संदेश दिया है कि यदि इंसानियत और कृतज्ञता के भाव से उत्सव मनाए जाएं, तो समाज का कोना-कोना प्रेम और प्रकाश से भर उठता है।

पत्थर से हमला कर बड़े भाई को मार डाला

नोएडा। हाजीपुर गांव में शुक्रवार रात छोटे भाई ने सिर पर पत्थर से हमला कर बड़े भाई की हत्या कर दी। पत्नी से छोटे भाई की नजदीकी बड़े भाई को पसंद नहीं थी। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव में यहां रहने वाले 23 वर्षीय अनिल उर्फ टेंडी पर शुक्रवार रात उसके छोटे भाई शिवकुमार ने पत्थर से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से अनिल घायल होकर गिर पड़ा। परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। शनिवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में अनिल के दूसरे भाई रामकुमार ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच में हत्या की वजह अनिल की पत्नी और शिवकुमार के बीच संबंधों को लेकर विवाद सामने आया है। कुछ समय पहले अनिल जेल में बंद था। इसी दौरान उसकी पत्नी और छोटे भाई शिवकुमार के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। दोनों के बीच अवैध संबंध हो गए थे।

त्योहारों पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 70.83 लाख का सामान सीज

नोएडा। त्योहारों के मौसम में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। शारदीय नवरात्र और दीपावली के मद्देनजर चलाए गए इस अभियान के तहत विभागीय टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान टीमों ने करीब 70.83 लाख रुपये मूल्य की 6,425 किलोग्राम खाद्य सामग्री को सीज किया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पूरा अभियान जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशन में चलाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने 9 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक जिले में यह कार्रवाई की। इस अवधि में खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और परिवहन स्थलों की जांच की गई। जांच के दौरान मिलावट की आशंका, मिथ्याछाप और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के चलते 6,425 किलोग्राम खाद्य सामग्री सीज की गई। सीज की गई इस सामग्री की कुल कीमत 70.83 लाख रुपये है।

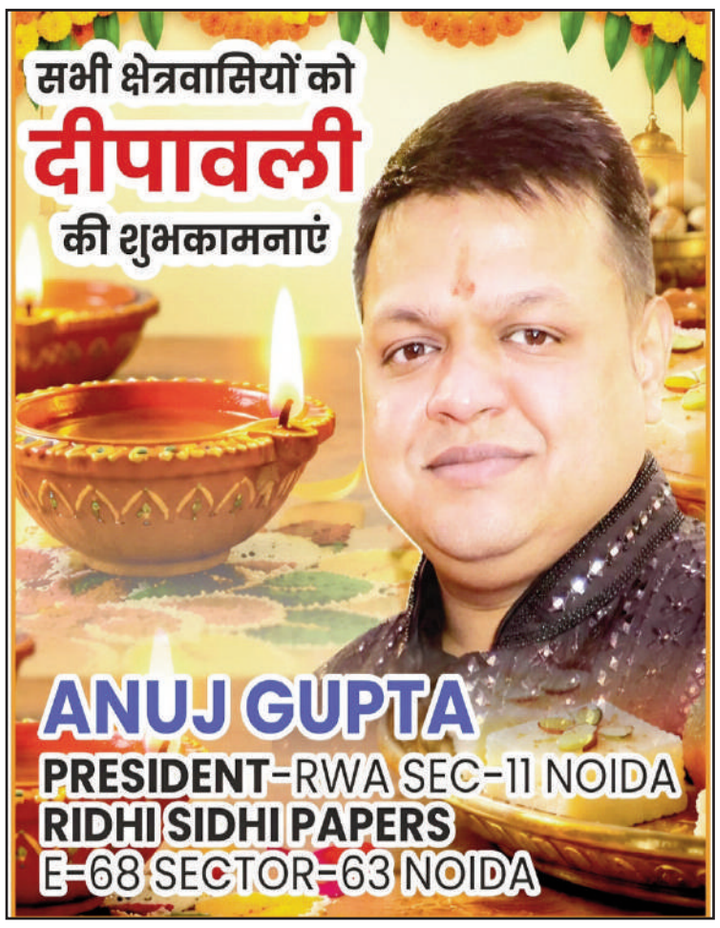
खराब पाई गई खाद्य सामग्री को कराया नष्ट: अभियान के दौरान अस्वच्छ परिस्थितियों में रखी और बनाई जा रही खाद्य सामग्री पर भी सख्त कार्रवाई की गई। अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्माण, भंडारण, बिक्री और परिवहन के कारण जो सामग्री मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाई गई, उसे नियमानुसार नष्ट करा दिया गया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा के अनुसार नष्ट कराई गई 1,025 किलोग्राम विनश्वर खाद्य सामग्री में मिठाई, खोया और अन्य खाद्य सामान शामिल है। बाजार में इस नष्ट कराई गई सामग्री का कुल मूल्य 2.96 लाख रुपये है।

129 नमूने जांच को भेजे, चार लाइसेंस निलंबित: विभागीय टीमों ने जांच की कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 129 नमूने इकट्ठा किए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच में कमियां पाए जाने पर 35 प्रतिष्ठान संचालकों को सुधार नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं जिन स्थानों पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, वहां सख्त कदम उठाते हुए चार प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण निलंबित कर दिए गए हैं।

खाद्य कारोबारियों के लिए जारी सख्त निर्देश: सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने सभी खाद्य कारोबारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी खाद्य सामग्री की खरीद केवल लाइसेंसधारी या पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं से ही करें। इसके साथ ही खरीद के सभी बिल सुरक्षित रखें और सामग्री की निर्माण तिथि, बैच नंबर सहित जरूरी विवरणों की जांच करने के बाद ही उसका भंडारण और बिक्री करें। उन्होंने साफ किया कि जनपद नोएडा में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए छापेमारी अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।







वाहन की टक्कर से अस्पतालकर्मी की मौत

नोएडा। सेक्टर-132 कट के पास वाहन की टक्कर से अस्पतालकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। गाजियाबाद के स्वर्ण जयंतीपुरम निवासी हेमंत शर्मा 30 अक्तूबर को कार से सेक्टर-128 स्थित मैक्स अस्पताल जा रहे थे। सेक्टर-132 कट के पास सुबह करीब 11 बजे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में हेमंत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार के लोग पोस्टमार्टम के बाद शव घर ले गए और अंतिम संस्कार किया। इसके बाद शुक्रवार को हेमंत की पत्नी सीमा शर्मा ने सेक्टर-126 थाने में शिकायत दी।सेक्टर-41 निवासी रविंद्र पैदल घर जा रहे थे। अगाहपुर पेट्रोल पंप के पास पांच नवंबर की रात करीब नौ बजे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। चालक घायल को अस्पताल पहुंचाने के बजाय मौके से भाग गया।











संक्षिप्त समाचार

दिल्ली चावड़ी बाजार हादसे में मरने वालों की संख्या हुई 3, जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहे दो लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में तीन मंजिला इमातर ढहने से हुए हादसे में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है।



रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान, मलबे से एक और शव मिला है। मरने वाले की पहचान पंकज शर्मा (40 वर्ष) निवासी गांव हनुमान नगर, जिला खगड़िया, बिहार के रूप में हुई है। बताया गया कि मलबे से तीन शव और दो घायलों को बाहर निकाला गया है। दोनों घायल लोगों का इलाज चल रहा है। हालांकि, उनकी हालत स्थिर है। मौके पर अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पुरानी दिल्ली के हौज काजी इलाके में तीन मंजिला इमारत गिरने की घटना में शनिवार को मरने वालों की संख्या तीन हो गई, बचाव अभियान के दौरान मलबे से एक और मजदूर का शव मिला है। उन्होंने बताया कि मौके पर करीब 48 घंटे के ऑपरेशन के बाद, मलबे से तीन शव निकाले जा चुके हैं। इनके अलावा दो घायलों का इलाज चल रहा है। चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सितारा में बन रही बिल्डिंग गुरुवार सुबह करीब 9.45 बजे गिर गई थी। पुलिस डिप्टी कमिश्नर (सेंट्रल) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जब तीन मंजिला बिल्डिंग गिरी, तब कंस्ट्रक्शन साइट पर करीब 10 से 15 मजदूर मौजूद थे।

दिल्ली के 842 करोड़ के घोटाले में अब फर्जी निदेशक भी जांच के घेरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के 842 करोड़ के उपकरण और दवा खरीद घोटाले



में मुख्य आरोपित राजीव रंगीला के बाद अब वे लोग भी जांच के घेरे में हैं, जिनके नाम पर उसने फर्जी कंपनियां बनाई थीं। इन कंपनियों के मार्फत कर्मचारियों और घरेलू सहायकों को कागजों पर निदेशक बनाकर सरकारी टेंडर हासिल किए गए और करोड़ों का भुगतान कराया गया। अब तक की जांच और आरोपपत्र के अनुसार इस तरह बनाई गई रंगीला की पांच प्रमुख कंपनियों को करीब 839 करोड़ का भुगतान होने का पता चला है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार एम साहिब एंड संस के सुनील कुमार और लक्ष्मण सिंह की भूमिका के साथ दूसरी कंपनियों से हुए वित्तीय लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि जिन लोगों को कंपनियों का निदेशक बनाया गया था, उन्हें अपने नाम पर चल रहे कारोबार, सरकारी टेंडर और करोड़ों के भुगतान की जानकारी थी या नहीं। इन कंपनियों के वास्तविक संचालक कौन थे और टेंडर हासिल करने से लेकर भुगतान लेने तक की पूरी प्रक्रिया कौन संभाल रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है। आरोप है कि रंगीला ने अपने कर्मचारियों और घरेलू सहायकों के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर कंपनियां बनाईं और उनके माध्यम से सरकारी खरीद और सप्लाई के ठेके हासिल किए। बताया गया है कि एम साहिब एंड संस प्राइवेट लिमिटेड के सुनील कुमार और लक्ष्मण सिंह जांच के केंद्र में हैं। जांच एजेंसी कंपनी की खरीद गतिविधियों, एफ-मेड डिवाइसेज सहित दूसरी कंपनियों के साथ उसके कारोबारी संबंधों और वित्तीय लेनदेन को खंगाल रही है। पता लगाया जा रहा है कि इन लोगों को कंपनी के वास्तविक कारोबार की कितनी जानकारी थी और उन्हें किसी तरह का आर्थिक लाभ मिला था या नहीं। इस मामले में रंगीला के पूर्व कर्मचारी ज्ञान चंद का मामला भी जांच एजेंसी के सामने आया है। आरोप है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उन्हें एक कंपनी का निदेशक बनाया गया था।रंगीला की पांच प्रमुख कंपनियों को हुए करीब 839 करोड़ रुपये के भुगतान के बाद अब पता लगाया जा रहा है।

15 लाख रोजगार का अनुमान

29 साल बाद पूरी होगी दिल्ली के इंडस्ट्रियल एरिया की योजना, 920 एकड़ में होगा विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कंझावला में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने की योजना करीब 29 साल बाद अब जमीन पर उतरने की उम्मीद जगी है। वर्ष 1997 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने इस परियोजना की रूपरेखा तैयार की थी, लेकिन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। अब दिल्ली में फिर से भाजपा की सरकार बनने के बाद करीब 920 एकड़ में प्रस्तावित इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया शुरू करने की कवायद तेज हुई है। पहली बार जमीन की चारदीवारी के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया



गया है। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने इसके विकास की प्रक्रिया तेज करते हुए 21.71 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसमें चारदीवारी, सुरक्षा द्वार, सूचना बोर्ड और सुरक्षा कक्ष का निर्माण शामिल है। कांझावला में विकास केंद्र बनाने की योजना 1997 में शुरू करने का निर्णय हुआ था। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 2005 में शुरू हुई मगर आगे नहीं बढ़ सकी। बाद में 2008 में अधिग्रहण का आदेश जारी हुआ, लेकिन किसान इसके विरोध में आ गए। भूमि के मालिकाना हक, चकबंदी और मुआवजे से जुड़े विवाद अदालतों तक पहुंचे। इस परियोजना को लेकर करीब 30 याचिकाएं दिल्ली हाई कोर्ट में लगाई गईं। जिससे परियोजना को आगे बढ़ाने में विलंब हुआ। अधिकारियों की मानें तो उसके बाद परियोजना को लेकर अड़चनें दूर कर ली गई थीं।

रिपोर्ट छह महीने में देने की बात कही

मई 2023 में उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद 920 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर गई थी। इसी समय डीएसआइआइडीसी ने परियोजना के बेहतर उपयोग और व्यावसायिक संभावनाओं का आकलन करने के लिए सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी। सलाहकार को बाजार की मांग, निवेशकों की रुचि, संभावित उद्योगों और आर्थिक माडल का अध्ययन करना था। रिपोर्ट छह महीने में देने की बात कही गई थी। मगर सह सब प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उस समय इस परियोजना से जुड़े रहे एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि उस समय परियोजना के आगे नहीं बढ़ने का प्रशासनिक कारण रहा।

नकली नोट खपाने की फिराक में दिल्ली पहुंचे बिहार के 2 शातिर दबोचे, पुलिस खंगाल रही सप्लायर का नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। एक लाख रुपये की नकली करेंसी देकर 25 से 30 हजार रुपये की असली रकम लेने की तैयारी में दिल्ली पहुंचे बिहार के दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की पहाड़गंज थाना पुलिस ने नकली नोटों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। आरोपितों की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी दिनेश कुमार झा और सतीश कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से कुल 2,65,100 रुपये की नकली भारतीय करेंसी बरामद की गई।पुलिस के मुताबिक, दोनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने नीलम गेस्ट हाउस में ठहरे थे और नकली नोटों के खरीदार तलाश रहे थे। 5 नवंबर को संगतराशन पुलिस चौकी प्रभारी एसआई एसएन ओझा को सूचना मिली कि पहाड़गंज में दो युवक नकली करेंसी की सप्लाई और उसे बाजार में चलाने की कोशिश में हैं।



एसएचओ और एसीपी की निगरानी में गठित टीम ने गेस्ट हाउस में छापा मारकर दोनों को पकड़ लिया। वहीं, तलाशी में दिनेश के पास से 2,45,100 रुपये और सतीश के पास से 20 हजार रुपये के नकली नोट मिले। इनमें 500, 200, 100 और 50 रुपये के नोट शामिल हैं। नोटों की जांच के लिए क्राइम टीम और एफएसएल को बुलाया गया।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे नकली नोट बेचने दिल्ली आए थे और एक लाख रुपये की नकली करेंसी के बदले 25 से 30 हजार रुपये असली लेने की योजना थी। पुलिस कार्रवाई से पहले उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। उनके मुताबिक, नकली नोट उन्हें मुजफ्फरपुर के एक व्यक्ति से मिले थे। पुलिस ने बताया कि दिनेश झा वर्ष 2023 में पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने में नकली करेंसी के मामले में आरोपित रह चुका है। पुलिस सप्लायर, नोटों के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

पटाखों की सेल पर सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा खत्म, वैध दुकानदारों ने बंद की दुकानें; अवैध आधी रात तक करते रहे बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की विशेष अनुमति के बाद दिल्ली में तीन दिनों तक चली पटाखों की सीमित बिक्री का दौर शुक्रवार को संपन्न हो गया। बिक्री के अंतिम दिन पटाखा दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर जामा मस्जिद के क्षेत्र पाईवालान की पटाखा दुकानों पर मध्य रात्रि तक लोगों का तांता लगा रहा। लोग अंतिम मौके पर अपनी जरूरत के पटाखे खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंचे, जिससे जामा मस्जिद के पाईवालान समेत दिल्ली भर के अधिकृत दुकानों पर खूब चहल-पहल देखने



को मिली। एक तरफ जहां लाइसेंस धारी दुकानदारों ने तय नियमों के तहत अपनी दुकानें संचालित कीं, वहीं दूसरी ओर उन दुकानों के बाहर के साथ ही सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, करोलबाग समेत अन्य स्थानों पर अवैध रूप से पटाखों की बिक्री ने चिंता बढ़ाई है। स्थिति यह कि अकेले पाईवालान इलाके में 50 से अधिक रेहड़ी-पटरी वाले खुलेआम और बेखौफ होकर पटाखे बेचते नजर आए। हैरानी की बात यह रही कि इन अवैध विक्रेताओं को रोकने या टोकने वाला कोई जिम्मेदार प्रशासनिक अमला वहां मौजूद नहीं था। चिंता कि बात यह कि इन अवैध ठिकानों पर बिक रहे सामान की कोई जांच नहीं हो रही थी।

पेंशनभोगियों के लिए बड़ी पहल, देशभर में शुरू हुआ डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी 'डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 5' की शुरुआत की. इस अभियान के पहले पांच दिनों में लगभग 40 लाख डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए गए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में लगभग 25 लाख सर्टिफिकेट जारी हुए थे. इस तरह, इसमें 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि के दौरान फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरे से पहचान करने की तकनीक) का उपयोग 61 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गया है. यह दर्शाता है कि पेंशनभोगियों का तकनीक-आधारित पेंशन सेवाओं पर भरोसा बढ़ रहा है. डॉ. सिंह ने कहा कि लोगों की ओर से मिली यह शानदार प्रतिक्रिया दिखाती है कि किस तरह डिजिटल नवाचार पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बना रहा है, और साथ ही बुजुर्ग नागरिकों के लिए शासन व्यवस्था को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और सम्मानजनक बना रहा है. डॉ. सिंह ने बताया कि यह अभियान धीरे-धीरे एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है. इसमें सरकारी विभाग, पेंशन बांटने वाले बैंक, पेंशनभोगी संघ और परिवार एक साथ आए हैं, ताकि पेंशन से जुड़ी सेवाएं बिना किसी रुकावट के मिल सकें. डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बुजुर्ग नागरिकों के जीवन को आसान बनाना है. उन्होंने कहा कि भारत की बदलती जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए, समाज में पेंशनभोगियों का महत्व लगातार बढ़ रहा है. वर्तमान में केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों की संख्या लगभग 70 लाख हो गई है, जबकि काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या लगभग 50 लाख है. यह स्थिति पहले से बिल्कुल उलट है. पहले काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या लगभग 55 से 60 लाख थी और पेंशनभोगियों की संख्या लगभग 50 लाख थी. मंत्री ने कहा कि जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) में वृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य स्थितियों ने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव, विशेषज्ञता और क्षमता का उपयोग राष्ट्र-निर्माण के लिए करने का एक नया अवसर पैदा किया है. कई कर्मचारी 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जबकि उस समय वे अपने स्वास्थ्य, अनुभव और पेशेवर क्षमताओं के सर्वोत्तम स्तर पर होते हैं.बुजुर्ग नागरिकों के आराम, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए उन्हें राष्ट्र-निर्माण के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।



दीवाली पर देहली मेट्रो की टाइमिंग में बदलाव, रात 10 बजे चलेगी आखिरी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के दिन सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से अंतिम मेट्रो ट्रेन रात 10 बजे चलेगी। सामान्य दिनों में अंतिम सेवा रात 11 बजे



तक होती है, लेकिन दीपावली के दिन एक घंटा पहले समाप्त हो जाएगी। पिंक लाइन (मजलिस पार्क-शिव विहार), मजेंटा लाइन (बाटनिकल गार्डन- कृष्णा पार्क एक्सटेंशन व मजलिस पार्क-दीपाली चौक) और ग्रे लाइन (द्वारका काकरोला - ढांसा बस स्टैंड) पर रविवार को सामान्य तौर पर मेट्रो ट्रेन सुबह सात बजे बजे शुरू होती हैं, लेकिन दीपावली के दिन एक घंटा पहले सुबह छह बजे शुरू होंगी। वहीं, शाम के समय एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी मेट्रो लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा रात 10 बजे शुरू होगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों को सलाह दी गई है।

दिल्ली में वोटर लिस्ट में नाम नहीं आया तो न हों परेशान, आयोग से आया नया रास्ता; 47.56 लाख वोटर्स को मिला एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे नाम (एएसडीडी) की श्रेणी में रखे जाने के कारण जिन लोगों के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके थे, उन्हें अब नाम जुड़वाने का एक और मौका मिलेगा। निर्वाचन आयोग ने ऐसे लोगों को दोबारा गणना प्रपत्र भरकर अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल कराने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो लोग पहले ही नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6 भरकर जमा कर चुके हैं, उन्हें दोबारा गणना प्रपत्र देने की जरूरत नहीं होगी। उनके आवेदनों पर तीन नवंबर को जारी आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया तैयार की जा रही है।

इसके लिए ऐसे मतदाताओं को अपने विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास आवेदन करना होगा। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय एक सप्ताह के भीतर आवेदन लेने और जमा करने का विस्तृत शेड्यूल जारी करेगा। एएसडीडी सूची में शामिल लोगों के



अधूरे गणना प्रपत्र दोबारा तैयार किए जाएंगे। संबंधित मतदाता अपने पुराने मतदाता पहचान पत्र संख्या के जरिये निर्वाचन आयोग की वेबसाइट या ईसीआईनेट मोबाइल ऐप से भी प्रपत्र डाउनलोड कर सकेंगे। बूथ स्तर अधिकारी राजनीतिक दलों के बूथ स्तर प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ऐसे लोगों से संपर्क करेंगे। इसके लिए घर-घर जाकर जानकारी जुटाने के साथ परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और आरडब्ल्यूए की भी मदद ली जाएगी। जिन लोगों ने अपना पता नहीं बदला है, वे हस्ताक्षर किया हुआ गणना प्रपत्र अनुबंध-बी के साथ जमा कर सकेंगे। इसमें उन्हें यह बताना होगा कि पहले गणना प्रपत्र क्यों जमा नहीं कर पाए थे। इसे बूथ स्तर अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास स्वयं अथवा परिवार के किसी सदस्य के माध्यम से जमा किया जा सकेगा।ईसीआईनेट ऐप पर हस्ताक्षर करके आनलाइन जमा करने की सुविधा भी मिलेगी। दिल्ली के भीतर ही पता बदलने वाले मतदाताओं को अलग से पता परिवर्तन प्रपत्र-8 भरने की जरूरत नहीं होगी। वे नए पते और विधानसभा क्षेत्र की जानकारी के साथ अनुबंध-सी भरकर संबंधित अधिकारी को जमा कर सकेंगे। इसके साथ नए पते का प्रमाण देना होगा। बेघर लोगों के पास कोई दस्तावेज नहीं होने की स्थिति में बूथ स्तर अधिकारी की मौके पर जाकर तैयार की गई सत्यापन रिपोर्ट को पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। दिल्ली में कुल 1,45,10,299 मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र भरने और जमा करने की प्रक्रिया पूरी की गई थी। 31 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में 97,53,577 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए थे, जबकि 47,56,722 लोगों को एएसडीडी श्रेणी में रखा गया था।

पटाखे जलाते समय सतर्क रहने की दी सलाह

दीवाली के मौके पर हाई अलर्ट पर दिल्ली एम्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली पर थोड़ी सी लापरवाही खुशियों को गंभीर हादसे में बदल सकती है। पटाखों से हाथ व आंखों में चोट, दीये व मोमबत्तियों से जलने तथा नशे में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। एम्स ने दिवाली और त्योहारी सीजन के दौरान अपनी इमरजेंसी सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा है। एम्स के प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एवं बर्न्स सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. डा. मनीष सिंघल ने लोगों को सुरक्षित दिवाली मनाने की सलाह दी है। कहाकि दिवाली खुशियों का त्योहार है, दर्द का नहीं।

एम्स की चिकित्सा अधीक्षक डा. निरुपम मदान के अनुसार दिवाली के मद्देनजर बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी इमरजेंसी, ट्रामा सेंटर, मुख्य अस्पताल की इमरजेंसी और आरपी सेंटर की इमरजेंसी को तैयार रखा गया है। सभी विभागों में डाक्टरों की ड्यूटी का रोस्टर व्यवस्थित किया गया है। ऑन-कॉल फैकल्टी



को शहर में उपलब्ध रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तत्काल अस्पताल पहुंचकर जिम्मेदारी संभाल सकें। दिवाली में जलने की चोटों, शराब के नशे में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और आंखों की चोटों के मामले आने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए इमरजेंसी के सभी क्रैश कार्ट और चिकित्सा उपकरणों की दोबारा जांच की गई है। कभी हाथ में पकड़कर न जलाएं। बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें। बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलवाएं।

पटाखे खुली जगह पर जलाएं और पास में पानी से भरी बाल्टी रखें।

पोटाश पटाखा गन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे गंभीर चोट लग सकती है।

सिंथेटिक कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें।

दीये और मोमबत्ती जलाते समय भी रहें सतर्क

दीये और मोमबत्तियां दरवाजों, सीढ़ियों और आने-जाने के रास्तों में न रखें।

पर्दे, सोफे और कागज जैसी ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें।

ढीले कपड़े पहनकर पटाखे न जलाएं।

जलने पर 15-20 मिनट तक बहते पानी से करें ठंडा घी, तेल, टूथपेस्ट या कोई घरेलू पदार्थ न लगाएं। प्रभावित हिस्से को साफ कपड़े से ढकें। गंभीर जलन होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचें। पटाखे से आंख में चोट लगने पर रगड़ें और तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

दिल्ली में हार्ट अटैक से हुई थी क्लास 3 की छात्रा की मौत, धनतेरस पर घर पहुंचा 9 साल की उन्नति का शव; बेसुध हुई मां

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार फेज-दो स्थित लवली हेरिटेज पब्लिक स्कूल में बुधवार, 4 नवंबर को नौ वर्षीय छात्रा उन्नति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार को जीटीबी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा बच्ची के शव का पोस्टमार्टम किया गया। जीटीबी अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट में बच्ची की मौत का कारण हार्ट अटैक आया है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्ची को पहले से कोई स्वास्थ्य संबंधी बीमारी थी या नहीं। इस बात की पुष्टि के लिए अभी और समय लग रहा है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पांडव नगर थाना पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच कर रही पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में स्कूल की कोई लापरवाही सामने नहीं आई है। वहीं, मृतका के पिता विकास ने पुलिस की इस कार्रवाई पर असंतोष जताया है। उनका आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने समय पर सही कदम नहीं उठाया और बच्ची को पास के अस्पताल ले जाने के बजाय दूर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने स्कूल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। धनतेरस पर घर पहुंचा शव, माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल

मोहम्मद शमी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

13 साल में 64 मैच खेले, 229 विकेट लिए; वनडे और टी-20 खेलते रहेंगे



● टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद, मोहम्मद शमी के संन्यास पर बोले भारत के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्नी मार्कल ने कहा कि जब वह भारतीय टीम से गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े तो शुरूआती दिनों में टीम की सोच और भारतीय भाषा को समझने में मोहम्मद शमी की मौजूदगी से उन्हें काफी मदद मिली। शमी ने शुक्रवार (6 नवंबर) को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मोर्कल 2024 में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम नहीं किया, लेकिन 2025 की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें यह मौका मिला। मोर्कल ने मैच से पूर्व इंटरव्यू में मेजबान प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स से कहा , 'मैं खुशकिस्मत हूं कि जब मैने भारतीय टीम के साथ शुरूआत की तब शमी टीम का हिस्सा थे। काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और भारतीय भाषा को समझने में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उन्हें टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।'

शमी के घरेलू क्रिकेट खेलने से मोर्कल खुश

शमी ने सभी फॉर्मेट्स को मिलाकर कुल 462 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जिनमें टेस्ट में 229 और वनडे में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, शमी कुछ और समय तक बंगाल के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे। मोर्केल इस बात से खुश हैं कि शमी अभी भी पूरी शिद्दत के साथ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। मोर्केल ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह अभी भी घरेलू क्रिकेट में काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है।'

शमी ने टेस्ट से संन्यास लेते हुए क्या कहा?

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने 13 साल के सफर पर विराम लगा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। मोहम्मद शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), द क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल , साथी खिलाड़ियों, कोच और प्रशंसकों का आभार जताया।

भारत और न्यूज़ीलैंड:

गुरनूर बरार ने रचा इतिहास



वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंग्टन में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने अपनी गेंदबाजी से फैन्स का दिल जीत लिया. पंजाब के इस युवा पेसर ने अपने 10 ओवर के स्पेल में शानदार गेंदबाजी करते हुए महज 30 रन देकर 4 बड़े विकेट झटके. इस दमदार प्रदर्शन के साथ ही गुरनूर ने न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा तीसरा सबसे बेहतरीन वनडे गेंदबाजी प्रदर्शन अपने नाम कर लिया है. न्यूजीलैंड की सरजमीं पर वनडे क्रिकेट में सबसे बेहतरीन गेंदबाजी का रिकॉर्ड पूर्व महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले के नाम दर्ज है, जिन्होंने 30 मार्च 1994 को वेलिंग्टन में ही 33 रन देकर 5 विकेट झटके थे. इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ हैं, जिन्होंने 26 दिसंबर 2002 को ऑकलैंड में 23 रन देकर 4 विकेट लिए थे. अब गुरनूर बरार (4/30) इस खास फेहरिस्त में तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं. इसके अलावा गुरनूर न्यूजीलैंड में वनडे मैच में चार या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं. उनसे पहले श्रीनाथ, मोहम्मद शमी और हाल ही में 4 नवंबर को ऑकलैंड में 4/70 विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह ही यह कमाल कर पाए थे.

गुरनूर बरार की जबरदस्त गेंदबाजी

मैच के दौरान गुरनूर ने अपनी खतरनाक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी रीढ़ तोड़ दी. उन्होंने पारी के 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर टॉम लाथम (7 रन) को नमन धीर के हाथों कैच कराया. इसके बाद उसी ओवर की आखिरी गेंद पर खतरनाक ग्लेन फिलिप्स को भी अंशुल कंबोज के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन की राह दिखाई, जो खाता तक नहीं खोल सके. इसके बाद गुरनूर ने कीवी कप्तान मिचेल सेंटनर (31 रन) को केएल राहुल के हाथों कैच कराया और फिर अपने आखिरी यानी 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर काइल जेमीसन का विकेट चटकाकर अपना चौथा शिकार पूरा किया. युवा गेंदबाज के इस चमत्कारी प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम ने मेजबान टीम को कम स्कोर पर रोकने में अहम सफलता हासिल की.

यशस्वी जायसवाल ने लगातार दूसरी पारी में ठोका शतक

● 138 गेंद पर ठोके 102, साई सुदर्शन के साथ 175 रन जोड़े



नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार (7 अक्टूबर) से लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक ठोका। यशस्वी जायसवाल का यह लगातार दूसी पारी में शतक है। इससे पहले दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ा था। उन्होंने 162 गेंद पर 15 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 155 रन बनाए थे। लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर इंडिया ए को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के 46.3 ओवर में 175 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल शतक ठोकने के बाद आउट हो गए।

जायसवाल ने 138 गेंद पर 102 रन बनाए - यशस्वी जायसवाल ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट की गेंद पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने 44वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका जड़ा और शतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गए। उन्होंने 138 गेंद पर 102 रन बनाए। इस दौरान 16 चौके और 2 छक्के लगाए। साई सुदर्शन भी अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।

बारिश से प्रभावित 'लो स्कोरिंग' मुकाबले में रोमांचक खेल, भारत को मिली जीत

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 'डकवर्थ लुईस नियम' के आधार पर 4 रन से जीत लिया है। हेनरी स्टेडियम में इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। बारिश और गीले मैदान की वजह से मुकाबला देरी से शुरू हुआ, जिसे घटाकर 47-47 ओवरों का कर दिया गया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवरों में महज 134 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 1.5 ओवर में टिम सेफर्ट (0) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया, उस समय तक मेजबानों का खाता भी नहीं खुल सका था। यहां से हेनरी निकोल्स (11) ने विल यंग (6) के साथ 11 रन और डेरिल मिचेल के साथ 12 रन की साझेदारी करते हुए टीम को किसी तरह 23 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद डेरिल मिचेल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने टॉम लैथम (7) के साथ चौथे विकेट के लिए 30 रन, जबकि कप्तान मिचेल सेंटनर के साथ छठे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी करते हुए कीवी टीम को शतक के पार पहुंचा दिया। सेंटनर 38 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 31 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ने 104 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 55 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से गुरनूर बरार ने 10 ओवरों में 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट हाथ लगे।



इसके जवाब में भारतीय टीम ने महज 4 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल (0) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद विराट कोहली मैदान पर उतरे, लेकिन रोहित शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 13 रन जुटा सके। भारतीय टीम ने 17 के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवा दिया।

यहां से रोहित ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन की साझेदारी की, लेकिन रोहित (23) के आउट होने के बाद अक्षर पटेल (7) भी ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं सके और भारत ने 47 के स्कोर तक चौथा विकेट भी खो दिया।

इसके बाद केएल राहुल (नाबाद 26) ने मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रेयस अय्यर (30) के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 गेंदों में 39 रन की साझेदारी की, जबकि नमन धीर (12) के साथ छठे विकेट के लिए 22 रन जुटाए। भारतीय टीम ने 108 के स्कोर पर अपना छठा विकेट गंवाया। मेहमान खेमे में अभी 3 ही रन जुड़ सके थे कि अंशुल कंबोज (1) भी विकेट खो बैठे, जिसके बाद मैच रोमांचक हो गया था। टीम इंडिया ने 26 ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 113 रन बना लिए थे, तभी मैच ने खलल डाल दिया। बारिश रुकने का काफी देर इंतजार किया गया, लेकिन आखिरकार भारत को 'डकवर्थ लुईस नियम' के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया। मेजबान खेमे से काइल जेमीसन और जैकब डफी को 3-3 सफलताएं हाथ लगीं, जबकि मैथ्यू फिशर ने 1 विकेट चटकाया।

पेरिस मास्टर्स

कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान



पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए।

'स्मैट' के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में बड़ौदा टीम का ऐलान, हार्दिक को जगह नहीं

बड़ौदा, एजेंसी। बड़ौदा ने टी20 फॉर्मेट की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो रहा है। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में घोषित बड़ौदा की टीम में जितेश शर्मा, दीपक हुड्डा और रसिख सलाम जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हार्दिक आईपीएल 20260 के बाद से ही कई चोटों की वजह से मैदान से बाहर हैं। आईपीएल के दौरान पीठ में ऐंठन होने के बाद से हार्दिक ने अपना ज्यादातर समय बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बिताया है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल में खेला था।

अवनि लेखराः

पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पैरा एथलीटों में अवनि लेखरा का नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। रविवार को 25 साल की हो रही अवनि ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निशानेबाजी में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अवनि लेखरा का जन्म 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में हुआ था। जब वह 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हो गई। इस हादसे के बाद अवनि का जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें व्हीलचेयर के सहारे आगे का जीवन जीना था। जीवन को मुश्किल बनाने वाली इस परेशानी के बावजूद अवनि ने हिम्मत नहीं हारी और कुछ बड़ा करने का सपना देखा। अवनि के पिता का मानना था कि अगर उन्हें किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक रहेगी और उनका मन बहलेगा। इसी वजह से उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा। हादसे के तीन साल बाद अवनि ने शूटिंग में अपना करियर बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था। वह बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा से प्रेरित थीं।



2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भी गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वह पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली भी पहली भारतीय महिला हैं। अवनि ने हाल ही में जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में रजत पदक जीता था। 25 साल की अवनि से भविष्य में भी देश को बड़े मंचों पर पदक की उम्मीद है।

शूटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अवनि लेखरा को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिलने से निराश हूं: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के टेस्ट सेटअप से मोहम्मद शमी को नजरअंदाज करने के फैसले पर सवाल उठाया है। शास्त्री ने कहा कि शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की है। शास्त्री ने शमी को मौके न मिलने पर निराशा जताई, और अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के बावजूद फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके काम के बोझ की ओर इशारा किया। शमी, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के सबसे सक्षम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, बंगाल के लिए नियमित तौर पर खेलते रहे हैं, और उन्होंने गेंदबाजी की बड़ी जिम्मेदारियां निभाई। शास्त्री को लगा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तेज गेंदबाज की तैयारी का अंदाजा लगाने में उन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए थी।



भारत के पूर्व हेड कोच ने कहा कि मैचों के दौरान लंबे स्पैल तक टिके रहने की एक गेंदबाज की क्षमता ही उसकी फिटनेस का असली पैमाना होनी चाहिए। शास्त्री ने दूसरे वनडे से पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर नहीं कर सकते तो जिम में फिट रहने का क्या मतलब है? यहां, आपके पास एक मेहनती खिलाड़ी है जो आपके लिए गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए, मैं थोड़ा निराश हूं कि उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। पूर्व कप्तान ने कहा, 'शमी का घरेलू काम का बोझ इस बात का काफी सबूत है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट की फिजिकल जरूरतों को संभाल सकता है। टीमों को मुश्किल इंटरनेशनल सीजन के दौरान खास खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ता है, तो एक अनुभवी तेज गेंदबाज का होना कितना जरूरी है।

यूथ ओलंपिकः

धिनिधि देसिंघु ने जीता 200 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य, दो पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 16 वर्षीय तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले वह 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी कांस्य जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100



मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

2:02.28 मिनट का समय लेकर जीता कांस्य - धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया।